मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, मंगलवार, 14 जुलाई 2026
संवत 2083, अषाढ़ कृष्ण पक्ष 15 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 300 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ पूवार्नुमान में ही विफल तो कैसे होगा समाधान

शुभमन गिल और श्री चरणी प्लेयर ऑफ द मंथ की होड़ में ◂◂ 6

हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल का आदेश किया रद्द

रेल हादसे में मृत यात्री के परिजनों को मिलेगा मुआवजा

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने रेल हादसे में मृत अशोक महतो के परिजनों को बड़ी राहत देते हुए रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें मुआवजा देने से इनकार किया गया था। न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने स्पष्ट किया कि मृतक एक वैध टिकटधारी (बोनाफाइड) यात्री था और उसकी मौत चलती ट्रेन से गिरने के कारण हुई, जो रेलवे अधिनियम के तहत अनटुवर्ड इंसिडेंट की श्रेणी में आता है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि मृतक के पास से वैध रेल टिकट बरामद हुआ था। साथ ही पुलिस की इनक्वेस्ट रिपोर्ट और जांच में भी यह स्पष्ट हुआ कि उसकी मृत्यु चलती ट्रेन से गिरने के कारण हुई थी। अदालत ने कहा कि केवल इस आधार पर कि शव रेलवे ट्रैक से करीब 10 मीटर दूर मिला, मुआवजा देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि रेलवे मुआवजा संबंधी कानून एक लाभकारी कानून है, इसलिए इसकी संकीर्ण नहीं बल्कि उदार व्याख्या की जानी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि चलती ट्रेन के दरवाजे पर खड़ा होना भले ही लापरवाही माना जा सकता है, लेकिन इसे आपराधिक कृत्य नहीं कहा जा सकता। अदालत ने रेलवे को निर्देश दिया कि मृतक अशोक मेहतो के आश्रितों को 8 लाख रुपये मुआवजा दिया जाए। इसके साथ ही 1 अगस्त 2017 (दुर्घटना की तिथि) से भुगतान की तिथि तक 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी अदा किया जाए। हाईकोर्ट ने रेलवे को यह पूरी राशि दो महीने के भीतर भुगतान करने का आदेश दिया है।

जज उत्तम आनंद हत्याकांड में दोषियों को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत, उम्रकैद की सजा बरकरार

रांची: धनबाद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) उत्तम आनंद हत्याकांड में झारखंड हाईकोर्ट ने दोषी लखन वर्मा और राहुल वर्मा को बड़ा झटका दिया है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने दोनों दोषियों की ओर से सजा रद्द करने के लिए दायर आपराधिक अपील को खारिज करते हुए सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है।

न्यायमूर्ति रोगोन मुखोपाध्याय और न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि यह घटना केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि न्यायिक व्यवस्था पर सीधा हमला थी। ऐसे मामलों में दोषियों के प्रति किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जा सकती।

सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद सीबीआई को मिली थी जांच : यह मामला देशभर में चर्चा का विषय बना था। सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इसकी जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। मामले की गहराई से जांच के दौरान सीबीआई ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साक्ष्य जुटाने के लिए इंटरपोल की भी सहायता ली थी। इसके बाद सीबीआई की विशेष अदालत में त्वरित सुनवाई (स्पीडी ट्रायल) हुई और 6 अगस्त 2022 को दोनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

28 जुलाई 2021 को हुई थी घटना : गौरतलब है कि 28 जुलाई 2021 की सुबह धनबाद के रणधीर वर्मा चौक के पास एडीजे उत्तम आनंद रोज की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इसी दौरान पीछे से आए एक ऑटो रिक्शा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद यह मामला पूरे देश में सुर्खियों में आया था। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि यह कोई सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी।

अदालत में किसने रखा पक्ष : अपीलकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सब्यसाची ने पक्ष रखा, जबकि सीबीआई की ओर से असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया प्रशांत पल्लव ने अदालत में दलीलें पेश कीं। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने दोषियों की अपील खारिज करते हुए विशेष अदालत के फैसले को सही ठहराया।

विलंब होने के कारण राज्य सरकार की अपील हाईकोर्ट से खारिज, आंगनबाड़ी सेविका की बहाली का रास्ता साफ

मेट्रो रेज

रांची : सरकारी मुकदमों में प्रशासनिक और नौकरशाही के ढुलमुल कार्यप्रणाली पर झारखंड हाईकोर्ट ने एक बार फिर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने देवघर की एक आंगनबाड़ी सेविका की सेवा बहाली के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया है। सरकार की ओर से इस अपील को दायर करने में 559 दिनों की देरी की गई थी। जिसके पक्ष में कोर्ट को कोई पर्याप्त कारण नजर नहीं आया। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने सरकार के विलंब माफी के आवेदन को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि फाइलें घुमाने और विभागीय मंजूरियों जैसी नियमित नौकरशाही प्रक्रियाओं के नाम पर वैधानिक समय-सीमा का उल्लंघन नहीं किया जा सकता।

क्या है मामला : यह मामला देवघर जिले के चंदनपुरा में तैनात आंगनबाड़ी सेविका सकीला बानू की बर्खास्तगी से जुड़ा है। सकीला को साल 2007 में आम सभा के जरिए नियुक्त किया गया था। लगभग 10 साल की सेवा के बाद अक्टूबर 2016 में प्रशासन ने उन पर फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र का आरोप लगाकर सेवा से बर्खास्त कर दिया था। सकीला बानू ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 9 अगस्त 2023 को एकल पीठ के न्यायाधीश जस्टिस एसएन पाठक ने उनकी बर्खास्तगी को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने पाया था कि प्रशासन ने बिना उचित जांच के यह कार्रवाई की और आरटीआई से मिले उन दस्तावेजों को नजरअंदाज कर दिया, जो सकीला के प्रमाणपत्रों को सही साबित करते थे।

एकल पीठ के आदेश के बाद सरकार ने की देरी: एकल पीठ ने सरकार को आदेश दिया था कि सकीला बानू को उनके पिछले सभी बकाया मानदेय और लाभों के साथ सेवा में बहाल किया जाए। राज्य सरकार ने इस आदेश के खिलाफ अपील दायर करने में 559 दिन लगा दिए। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने जब फाइलों के रिकॉर्ड को देखा तो पाया कि महीनों तक सरकारी महकमों में कोई काम ही नहीं हुआ। जुलाई 2024 में अपील का मसौदा तैयार होने के बाद भी इसे मार्च 2025 में दाखिल किया गया यानी पूरे 8 महीने का कोई हिसाब नहीं था।

लंबी निष्क्रियता को सही नहीं ठहरा सकती सरकार: सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि सरकार केवल फाइलों की आवाजाही और कानूनी राय लेने का बहाना बनाकर लंबी निष्क्रियता को सही नहीं ठहरा सकती। अदालतों का काम प्रशासनिक सुस्ती को बढ़ावा देना नहीं है। गौरतलब है कि पिछले तीन हफ्तों में इसी खंडपीठ ने सरकार की दो अन्य अपीलों को भी खारिज किया है। जिनमें 762 और 475 दिनों की भारी देरी की गई थी।

होर्मुज में भारतीय नाविक की मौत से बढ़ा तनाव ईरानी राजनयिकों को भारत ने किया तलब

नई दिल्ली: यूएई ने कहा कि ओमान के समुद्री क्षेत्र में होर्मुज से गुजर रहे मोम्बासा और अल बहियाह तेल टैंकरों पर ईरानी क्रूज मिसाइलों से हमला हुआ। इस हमले में एक भारतीय चालक दल के सदस्य की मौत हो गई। इसके बाद भारत ने ईरानी राजनयिक को तलब किया।

होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल जहाजों पर हुए हालिया हमले के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने ईरान के उप मिशन प्रमुख मोहम्मद जवाद होसैनी समेत ईरानी राजनयिकों को तलब किया। एक दिन पहले (13 जुलाई को) ईरानी हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई थी। भारत ने इस घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया।

भारत की ओर से यह कूटनीतिक कदम यूएई के उस दावे के एक दिन बाद उठाया गया, जिसमें कहा गया था कि ओमान के समुद्री क्षेत्र में हॉर्मुज से गुजर रहे दो तेल टैंकरों पर ईरानी क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया। इस हमले में एक भारतीय चालक दल के सदस्य की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है।

यूएई के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, हमले में घायल हुए लोगों में छह भारतीय और दो यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं। मिसाइल हमले के बाद दोनों तेल टैंकरों में आग लग गई, जिससे उन्हें नुकसान पहुंचा। हालांकि बाद में आग पर काबू पा लिया गया। यूएई ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया।

यूएई ने कहा है कि इस हमले का जवाब देने का उसे पूरा अधिकार है। अपने देश, लोगों और वहां रहने वाले सभी लोगों की सुरक्षा के लिए वह जरूरत पड़ने पर हर कदम उठाएगा। मंत्रालय ने यह भी कहा कि किसी भी खतरे से निपटने के लिए सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

चारा घोटाला केस में लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत, जमानत रद्द करने से इनकार

नई दिल्ली : चारा घोटाला मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने उनकी जमानत रद्द करने और सजा पर लगी रोक हटाने से इनकार कर दिया। साथ ही झारखंड हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वह लालू यादव और अन्य आरोपियों की सजा के खिलाफ लंबित अपीलों का निपटारा छह महीने के भीतर करे। यह मामला प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका से जुड़ा था, जिसमें लालू यादव की जमानत रद्द करने की मांग की गई थी। ईडी का तर्क था कि मामले में हस्तक्षेप करते हुए अदालत जमानत समाप्त करे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। दरअसल, चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव और अन्य आरोपियों को वर्ष 2018 में दोषी ठहराया गया था। इसके बाद उन्होंने अपनी सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की, जो अब तक लंबित है।

अपील पर सुनवाई में देरी को देखते हुए अदालत ने वर्ष 2021 में लालू यादव को जमानत दी थी। उस समय कहा गया था कि अपील पर अंतिम फैसला आने तक उन्हें जमानत पर रहने की अनुमति रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि इतने लंबे समय से जारी जमानत में इस स्तर पर हस्तक्षेप करना उचित नहीं होगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि वह जमानत रद्द करने के पक्ष में नहीं है।

हालांकि, अदालत ने मामले के शीघ्र निपटारे पर जोर देते हुए हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि लालू यादव और अन्य आरोपियों की अपीलों की सुनवाई अगले 6 महीने के भीतर पूरी की जाए। इस फैसले के साथ सुप्रीम कोर्ट ने एक ओर लालू यादव की जमानत बरकरार रखी, वहीं दूसरी ओर मामले के जल्द निपटारे की समयसीमा भी तय कर दी।

सड़क हादसे में हजारीबाग के आरक्षी की मौत

मेट्रो रेज

धनबादः जिले के बरवाअड्डा में तड़के सुबह छापेमारी कर लौट रही हजारीबाग पुलिस की गाड़ी सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से पीछे से जा टकराई। इस दर्दनाक हादसे में वाहन के परखच्चे उड़ गए और आगे बैठे आरक्षी राम लखन यादव की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में दो अन्य आरक्षी, चालक और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जमीन विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई को मारी गोली, मौत

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र के जयपुर गांव में जमीन बिक्री से मिले रुपयों के बंटवारे को लेकर हुए विवाद ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। सोमवार देर रात दो सगे भाइयों के बीच शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि छोटे भाई ने पिस्तौल से बड़े भाई को गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक की रांची ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, जबकि आरोपी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। बताया जाता है कि जयपुर गांव में सड़क किनारे स्थित एक कीमती जमीन की बिक्री हुई थी। इसी जमीन से प्राप्त रकम के बंटवारे को लेकर सोमवार देर रात दोनों भाइयों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इसी दौरान छोटे भाई महेंद्र लागुरी ने पिस्तौल निकालकर अपने 30 वर्षीय बड़े भाई शंकर लागुरी पर गोली चला दी। गोली लगते ही शंकर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा।घटना के बाद परिजन और ग्रामीण घायल शंकर को तत्काल चाईबासा सदर अस्पताल ले गए।वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रिम्स, रांची रेफर कर दिया। हालांकि रांची ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही हाटगम्हरिया थाना प्रभारी उत्तम तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।इधर वारदात के बाद आरोपी महेंद्र लागुरी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है।

झारखंड के पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मन्नान मल्लिक का निधन, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मन्नान मल्लिक का मंगलवार को रांची के पल्स अस्पताल में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई। राज्य के कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इसे झारखंड की राजनीति के लिए बड़ी क्षति बताया।

मन्नान मल्लिक लंबे समय तक धनबाद जिला कांग्रेस के अध्यक्ष रहे और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में उनकी अहम भूमिका रही। वर्ष 2009 में वे धनबाद विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर विधायक निर्वाचित हुए। इसके बाद उन्हें झारखंड सरकार में पशुपालन, मत्स्य एवं आपदा प्रबंधन मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। करीब 1945 में जन्मे मन्नान

मल्लिक ने बीएससी और कानून (बीएल) की पढ़ाई की थी। वे अपनी सादगी, सहज स्वभाव और जनता से सीधे जुड़ाव के लिए जाने जाते थे। मंत्री और विधायक के रूप में उन्होंने जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और लंबे समय तक धनबाद की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। **मुख्यमंत्री ने जताया शोकः** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी मन्नान मल्लिक के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा, ह्लझारखंड सरकार में पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता मन्नान मलिक जी के निधन का दुःखद समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मन्नान मलिक जी ने लंबे समय तक जनसेवा और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहकर झारखंड, विशेषकर धनबाद की जनता की आवाज को मजबूती से उठाया। उनके निधन से राज्य ने एक अनुभवी जनप्रतिनिधि और सामाजिक सरोकारों से जुड़े नेता को खो दिया है। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों, समर्थकों और शुभचिंतकों को इस कठिन घड़ी में संबल प्रदान करें। मन्नान मल्लिक के निधन से झारखंड की राजनीति ने एक अनुभवी और जनप्रिय नेता को खो दिया है। उनके योगदान को लंबे समय तक याद किया जाएगा।

जज को भी नहीं बख्शा,कोर्ट परिसर में पढ़े मंत्र, कुर्सी पर काला जादू करने के आरोप में महिला गिरफ्तार

चिक्काबल्लापुर : कर्नाटक के चिक्काबल्लापुर जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 65 वर्षीय एक महिला को अदालत में जज की कुर्सी पर कथित रूप से काला जादू करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अदालत ने महिला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

चिक्काबल्लापुर सिटी पुलिस के अनुसार, मंजुला नाम की महिला पर आरोप है कि उसने फर्स्ट एडिशनल सीनियर सिविल जज एवं जेएमएफसी कोर्ट के न्यायाधीश की कुर्सी पर कथित तौर पर मंत्रोच्चार किया और सफेद सरसों के दाने छिड़के।

इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला प्रकाश में आया। फुटेज में महिला अदालत कक्ष में जज की कुर्सी के पास कथित तौर पर कुछ धार्मिक या तांत्रिक क्रियाएं करती दिखाई दे रही है। इसके बाद कोर्ट की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी नेत्रा की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दिया।

जांच के बाद पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ कर्नाटक अमानवीय कुप्रथाओं और काले जादू की रोकथाम एवं उन्मूलन अधिनियम, 2017 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अदालत ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

क्या है काला जादू? : आम बोलचाल में काला जादू उन कथित तांत्रिक या अलौकिक क्रियाओं को कहा जाता है, जिनका उद्देश्य किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाना, उसे नियंत्रित करना या स्वार्थ सिद्ध करना माना जाता है। इसमें मंत्र-तंत्र, तावीज, वशीकरण, मारण और उच्चाटन जैसी प्रथाओं का उल्लेख किया जाता है।

हालांकि, विज्ञान और तर्कवादी दृष्टिकोण इन दावों का समर्थन नहीं करते। वैज्ञानिक समुदाय और अधिकांश मनोवैज्ञानिक काला जादू को अंधविश्वास मानते हैं। उनके अनुसार, ऐसे मामलों में लोगों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव, भय या संयोग का असर अधिक होता है, न कि किसी अलौकिक शक्ति का। भारत के कई राज्यों में अंधविश्वास और अमानवीय कुप्रथाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष कानून बनाए गए हैं,

न्यूज IN ब्रीफ

चतरा सदर अस्पताल में 'परिवार स्वास्थ्य मेला' का आयोजन

चतरा : विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर चतरा सदर अस्पताल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत परिवार स्वास्थ्य मेला और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्ष ममता देवी और सिविल सर्जन ने किया। इस अवसर पर ममता देवी ने मातृ-शिशु स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए लोगों से छोटे और खुशहाल परिवार की अवधारणा अपनाने की अपील की। वहीं सिविल सर्जन डॉ सत्येंद्र कुमार सिन्हा और उपाधीक्षक डॉक्टर पंकज कुमार ने सुरक्षित मातृत्व तथा जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति लोगों को जागरूक किया। स्वास्थ्य मेले में आमजनों को परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों, परामर्श सेवाओं और स्वास्थ्य जांच की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान जब बच्चों में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल का संदेश देते हुए सभी अधिकारियों और आमजनों ने एक स्वस्थ समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। डीपीएम संगीता लूसी बाला एक्का, डॉक्टर आशुतोष एवं सभी स्वास्थ्य कर्मी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

16 जुलाई से शुरू होगा भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा पूजा महोत्सव

खूंटी: 94वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) परिसर, खूंटी में भगवान श्री जगन्नाथजी के रथयात्रा पूजा महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पूरे परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है और आयोजन को लेकर अधिकारियों व जवानों में उत्साह का माहौल है। महोत्सव का शुभारंभ 16 जुलाई 2026 (गुरुवार) को होगा। इस अवसर पर पूजा-अर्चना, महाप्रसाद वितरण, मुंडास तथा भव्य रथयात्रा का आयोजन किया जाएगा। रथयात्रा शाम करीब 4 बजे 94वीं बटालियन सीआरपीएफ मुख्यालय परिसर से प्रारंभ होकर दुर्गा मंदिर, ऊपर चौक तक निकाली जाएगी। महोत्सव का समापन 24 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को होगा। समापन दिवस पर शाम 4 बजे रथयात्रा की वापसी दुर्गा मंदिर, ऊपर चौक से 94वीं बटालियन सीआरपीएफ परिसर तक होगी। इस दौरान श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण भी किया जाएगा।
आयोजन समिति के अनुसार, भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा पूजा महोत्सव 94वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों, जवानों एवं आम जनता के सहयोग से श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न कराया जाएगा। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

नो एंट्री तोड़कर दौड़ा रहा था कोयला लदा हाइवा, चालक पर प्राथमिकी दर्ज

चतरा: जिले में भारी वाहनों की नो एंट्री का उल्लंघन करने वालों पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। सिमरिया के अंचलाधिकारी गौरव कुमार की शिकायत पर कोयला लदे हाइवा (जेएच 02 बीके-5425) के चालक के विरुद्ध सिमरिया थाना कांड संख्या 133/26 दर्ज कर लिया गया है। अंचल अधिकारी ने बताया कि सोमवार की सुबह करीब 9:30 बजे जब क्षेत्र भ्रमण कर रहे थे,इसी दौरान हाइवा चालक नो एंट्री नियम तोड़ते हुए निर्धारित मार्ग छोड़ ग्रामीण सड़क से तेज रफ्तार में वाहन लेकर भाग रहा था। प्रशासनिक टीम द्वारा रोकने का प्रयास करने पर चालक वाहन लेकर फरार होने लगा, जिसे बाद में सिमरिया टंडवा सड़क पर डाड़ी चौक के पास पकड़ा गया। प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि नो एंट्री नियम तोड़ने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बैंकों की सुस्त कार्यशैली पर उपायुक्त सख्त,वित्तीय योजनाओं की प्रगति तेज करने का निर्देश

चतरा : समाहरणालय सभागार में सोमवार को उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की बैंकिंग व्यवस्था, सरकारी ऋण योजनाओं की प्रगति तथा वित्तीय समावेशन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तार से समीक्षा की गई।
बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि सरकार की विभिन्न वित्तीय योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध ढंग से पहुंचाना सभी बैंकों और संबंधित विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत संचालित खातों में शत-प्रतिशत आधार सीडिंग सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि इससे लाभुकों को योजनाओं का सीधा लाभ मिलने के साथ-साथ वित्तीय धोखाधड़ी पर भी प्रभावी अंकुश लगेगा।समीक्षा के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना में कुछ बैंकों की संतोषजनक प्रगति नहीं मिलने पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित बैंक अधिकारियों को शीघ्र लक्ष्य हासिल करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही वार्षिक ऋण योजना के तहत प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में ऋण वितरण बढ़ाने और लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में जिले के क्रेडिट-डिपॉजिट रेशियो की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि वर्तमान में जिले का सीडी रेशियो 31.54 प्रतिशत है, जबकि निर्धारित लक्ष्य 40 प्रतिशत है। इस पर उपायुक्त ने बैंक अधिकारियों को कृषि, स्वरोजगार और लघु उद्यम जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में ऋण वितरण बढ़ाने, ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार करने तथा वित्तीय जागरूकता अभियान तेज करने का निर्देश दिया।
बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई), स्वयं सहायता समूहों को ऋण वितरण, बैंक मित्रों की कार्यप्रणाली तथा अन्य बैंकिंग योजनाओं की भी बिंदुवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बैंक मित्रों को सक्रिय भूमिका निभाते हुए पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने पर विशेष बल दिया।
बैठक में जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी, जिला परिषद उपाध्यक्ष बृजकिशोर तिवारी, डीआरडीए निदेशक अलका कुमारी, भारतीय रिजर्व बैंक एवं नाबार्ड के प्रतिनिधि, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक, जेएसएलपीएस के जिला परियोजना प्रबंधक, आरसेटी निदेशक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री का बड़ा फैसला : 15 दिन में सक्रिय होगा विश्वविद्यालय सेवा आयोग, शिक्षा व्यवस्था में होंगे बदलाव

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में राज्य की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुख बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को 'माइनिंग से माइंड' की ओर ले जाने में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
15 दिन में सक्रिय होगा झारखंड विश्वविद्यालय सेवा आयोगः मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगले 15 दिनों के भीतर झारखंड विश्वविद्यालय सेवा आयोग को पूरी तरह कार्यरत किया जाए। इसके साथ ही हायर एजुकेशन और रोजगारपरक कोचिंग संस्थानों की निगरानी के लिए कोचिंग रेगुलेटरी अथॉरिटी को भी 15 दिनों में सक्रिय करने के निर्देश दिए।
गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना पर

विशेष जोरः बैठक में मुख्यमंत्री ने गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 2,888 पात्र विद्यार्थियों को ऋण स्वीकृत किया गया है, जबकि 243 छात्र-छात्राओं को विभिन्न बैंकों के माध्यम से लगभग 64 करोड़ रुपये का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों को योजना का लाभ मिले, ताकि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी छात्र उच्च शिक्षा से वंचित न रहे।
बीआईटी सिंदरी को मिलेगा यूनिटरी यूनिवर्सिटी का दर्जाः
बैठक में बीआईटी सिंदरी को यूनिटरी यूनिवर्सिटी के रूप में विकसित करने पर सैद्धांतिक सहमति बनी। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में आवश्यक विधेयक तैयार करने और संस्थान के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।
सभी विश्वविद्यालयों में बनेंगे सीबीटी सेंटरः मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में पीपीपी मॉडल पर कंप्यूटर आधारित परीक्षा केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दी। इससे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।
तकनीकी शिक्षा को उद्योगों से जोड़ने की तैयारीः मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के सरकारी पॉलिटेक्निक और तकनीकी संस्थानों में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक), इलेक्ट्रिक व्हीकल, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल डिजाइन और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएं। उन्होंने नौ जिलों में तकनीकी शिक्षा क्लस्टर विकसित करने की योजना पर भी तेजी से काम करने के निर्देश दिए।

मरचा के खतरनाक मोड़ पर फिर हादसा

ट्रक ने साइन बोर्ड और बिजली पोल को मारी टक्कर, पांच गांवों की बिजली बाधित

संवाददाता

रनिया (खूंटी) : खूंटी- कोलेबिरा मुख्य पथ पर रनिया थाना क्षेत्र के मरचा स्थित खतरनाक घुमावदार मोड़ पर मंगलवार की अहले सुबह करीब 4 बजे एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड और विद्युत पोल को टक्कर मारते हुए झाड़ियों में जा घुसा। हादसे में विद्युत पोल और तार टूटकर सड़क किनारे जमीन पर बिखर गए, जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल विद्युत विभाग को जानकारी दी। संभावित खतरे को देखते हुए विभाग ने तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कर दी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलने पर रनिया थाना पुलिस भी घटनास्थल पहुंची और ट्रक चालक मेराज खान से दुर्घटना के संबंध में पूछताछ की। चालक ने पुलिस को बताया कि

वाहन चलाते समय झपकी आने के कारण ट्रक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से टकरा गया। हालांकि दुर्घटना में चालक पूरी तरह सुरक्षित है तथा ट्रक को भी मामूली क्षति पहुंची है। इधर, विद्युत विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त तारों की मरम्मत एवं टूटे हुए पोल को बदलने की तैयारी में जुट गए हैं। हादसे के कारण लगभग पांच गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है, जिसे जल्द बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।
स्थानीय लोगों ने बताया कि मरचा का यह घुमावदार मोड़ पहले भी कई गंभीर सड़क दुर्घटनाओं का गवाह बन चुका है। इसी स्थान पर पूर्व में हुई दुर्घटनाओं में लगभग आधा दर्जन लोगों की जान जा चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस ब्लैक स्पॉट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, चेतावनी संकेत और आवश्यक सड़क सुरक्षा उपाय करने की मांग की है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीनिवास गिरफ्तार

हंटरगंज अंचल कार्यालय के फर्जी हस्ताक्षर व मोहर के इस्तेमाल के आरोप में भेजे गए जेल

षड्यंत्र के तहत फंसाया गया, यह लोकतंत्र की हत्या : श्रीनिवास

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज अंचल अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर एवं सरकारी मोहर का कथित तौर पर इस्तेमाल करने के आरोप में प्रदेश भाजपा नेता सह पत्थर व्यवसायी श्रीनिवास सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। श्रीनिवास पर अंचल कार्यालय का फर्जी दस्तावेज हाइकोर्ट में प्रस्तुत करने से संबंधित एफआईआर हंटरगंज थाना में दर्ज है। यह मामला अंचल निरीक्षक के आवेदन के आधार पर कांड संख्या 17/26 के तहत दर्ज किया गया है। हंटरगंज थाना पुलिस ने उन्हें इसी मामले में रांची से गिरफ्तार किया और चतरा न्यायालय में प्रस्तुत किया। न्यायालय के आदेश पर उन्हें मंडल कारा चतरा भेज दिया गया। श्रीनिवास वर्तमान में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष के पद पर हैं। उनकी गिरफ्तारी के बाद जिले की राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। गिरफ्तारी के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्रीनिवास ने अपने ऊपर लगे आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया। कहा कि उन्हें एक सोची-समझी साजिश के तहत फंसाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के

खिलाफ लगातार आवाज उठाने की वजह से उन्हें निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या है और सच्चाई सामने आने पर पूरा मामला स्पष्ट हो जाएगा। वहीं इस बाबत हंटरगंज के थाना प्रभारी प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि व्यवसायी श्रीनिवास के खिलाफ यह पहला मामला नहीं है। उन्होंने बताया कि हंटरगंज थाना में पूर्व में भी इनपर कई मामले दर्ज हैं। इसके अलावा गिद्धौर और रांची के कांके थाना क्षेत्र में भी मामला दर्ज हैं। बहरहाल अब देखना यह दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में इस मामले को लेकर भाजपा की क्या रणनीति होती है।

भाजपा की मासिक संगठनात्मक बैठक संपन्न

संगठन विस्तार व प्रवास कार्यक्रम पर बनी रणनीति

संवाददाता

चतरा : भारतीय जनता पार्टी, चतरा जिला कार्यालय में रविवार को जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोगता की अध्यक्षता में मासिक संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश मंत्री एवं चतरा जिला प्रभारी डॉ. अमरदीप यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।
बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. अमरदीप यादव ने संगठन को बूथ से लेकर शक्ति केंद्र, मंडल एवं जिला स्तर तक और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने पर जोर दिया। उन्होंने चतरा जिले के सभी मंडलों में जिला पदाधिकारियों के दो दिवसीय प्रवास कार्यक्रम तथा मंडल पदाधिकारियों के शक्ति केंद्र स्तर पर प्रवास कार्यक्रम को निर्धारित कर प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

साथ ही आगामी संगठनात्मक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सांसद एवं विधायक प्रत्येक माह एक दिन भाजपा जिला कार्यालय में बैठकर पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्याओं एवं सुझावों को सुनेंगे तथा उनके समाधान का प्रयास करेंगे। इस प्रस्ताव का सभी पदाधिकारियों ने स्वागत किया।बैठक में जिला महामंत्री कपिल पासवान, डॉ. मृत्युंजय सिंह, जिला उपाध्यक्ष रूबी वर्मा, विद्यासागर आर्य, कपिल दांगी , मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, सुबोध सिंह गुड्डू , प्रेमचंद यादव, जिला मंत्री चंपा शबरी, दिव्या कुमारी, नीरा देवी,कैलाश राम,दामोदर गोप, दिनेश गोप,दयानिधि सिंह, सतीश सिंह, मंटू सिंह सहित जिले के समस्त पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष सुनील चौरासिया एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला महामंत्री डॉ मृत्युंजय सिंह ने किया जबकि समापन जिला महामंत्री कपिल पासवान के द्वारा किया गया,समापन संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत एवं जन-जन तक पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ।

रक्षाबंधन पर चतरा डाक विभाग की सौगात

वाटरप्रूफ लिफाफे में सुरक्षित पहुंचेगी राखी, बहनों को नहीं लगानी पड़ेगी कतार

संवाददाता

चतरा : भाई-बहन के पवित्र त्योहार रक्षाबंधन को लेकर चतरा डाक विभाग ने इस बार बहनों के लिए खास इंतजाम किए हैं। अब बहनों को अपने भाइयों तक राखी भेजने के लिए डाकघरों में लंबी कतारों में इंतजार नहीं करना पड़ेगा। भीड़ से बचने के लिए विशेष काउंटर की व्यवस्था की गई है। चतरा के डाक निरीक्षक ऋषिकांत सिंह ने बताया कि बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए विभाग ने विशेष वाटरप्रूफ लिफाफे उपलब्ध कराए हैं। यह सुविधा चतरा मुख्य डाकघर के साथ-साथ हंटरगंज, प्रतापपुर, जोरी, सिमरिया उप डाकघर और जिले के 124 शाखा डाकघरों में मिलेगी। इन विशेष वाटरप्रूफ लिफाफों की कीमत 10 रुपये रखी गई है, जबकि 55 रुपये स्पीड पोस्ट और 5 रुपये विविध व्यवस्था शुल्क लगेगा। भाइयों तक राखी बिल्कुल सुरक्षित और सही समय पर पहुंचे, इसके लिए डाक विभाग ने एक विशेष डिलीवरी टीम भी तैनात की है। इस मौके पर चतरा पोस्टमास्टर नवीन कुमार पांडे , विनोद कुमार ,भानु प्रताप सिंह ,ओवरसियर शिव प्रकाश यादव, सहदेव राम उपस्थित थे।

उच्च शिक्षा की विसंगतियों पर अभाविप ने राज्यपाल को सौंपा मांगपत्र

संवाददाता

खूंटी : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) झारखंड प्रांत के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को प्रदेश मंत्री प्रकाश टूटी के नेतृत्व में लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल सह कुलाधिपति को राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त समस्याओं के समाधान को लेकर 8 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालयों में स्नातक सीटों में कटौती, कई विषयों की पढ़ाई बंद किए जाने, स्नातकोत्तर शिक्षा के केंद्रीकरण, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की समाप्ति, परीक्षा अनियमितताओं तथा झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के विवादित परिणामों पर हस्तक्षेप की मांग की।
अभाविप ने ज्ञापन में कहा कि विश्वविद्यालयों की नई व्यवस्था से ग्रामीण, जनजातीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं के समक्ष उच्च शिक्षा का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। संगठन का आरोप है कि विषयों को केवल क्लस्टर कॉलेजों तक सीमित करने से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जिससे नामांकन दर में गिरावट और ड्रॉपआउट की समस्या बढ़ सकती है। परिषद ने बीबीए, बीसीए, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को पुनः शुरू करने तथा बीएड पाठ्यक्रम को स्ववित्तपोषित श्रेणी से हटाकर सामान्य शुल्क व्यवस्था में लाने की मांग की।
ज्ञापन में जेपीएससी की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के परिणामों पर भी सवाल

उठाए गए। अभाविप का आरोप है कि आयोग ने अपनी निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया तथा चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव रहा। संगठन ने मामले की सीबीआई से जांच कराने और जांच पूरी होने तक मुख्य परीक्षा स्थगित रखने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 में छात्रसंघ से संबंधित प्रावधानों पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि नए कानून में छात्रसंघ की स्वायत्तता और लोकतांत्रिक अधिकार सीमित किए गए हैं। साथ ही रांची विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था संभाल रही बाहरी एजेंसी एनसीएफएफ की कार्यप्रणाली और परीक्षा प्रबंधन में कथित अनियमितताओं की जांच कराने की भी मांग की गई। अभाविप ने क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषाओं की पढ़ाई प्रभावित होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नई व्यवस्था से संथाली, मुंडारी, कुड़ुख, खड़िया, हो, नागपुरी, खोरठा, कुमार्ली एवं पंचपरगनिया जैसी भाषाओं के संरक्षण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मौसमी पाल, प्रांत प्रमुख डॉ. पंकज कुमार, प्रदेश संगठन मंत्री पशुपति उपमन्यु, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. आनंद ठाकुर, केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य दिशा दित्या, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बाबूलाल मेहता, प्रदेश सह मंत्री बमभोला उपाध्याय, संतोषी कुमारी एवं अंजली सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

हिनू रोड पर विशाल गड्ढे से हादसे का खतरा , विभाग बेखबर

राहगीरों में दहशत, सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल, लोगों ने की जल्द मरम्मत की मांग

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के डोरंडा-हिनू स्थित व्यस्त वीआईपी रोड पर सड़क धंसने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। सड़क के बीचोंबीच बने बड़े गड्ढे के कारण हर दिन हजारों वाहन चालकों और राहगीरों की जान जोखिम में पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मार्ग शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक है, जहां दिनभर भारी वाहनों के साथ एंबुलेंस, स्कूल बसें और आम लोगों का आवागमन होता है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है

कि सड़क धंसने के बावजूद संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। गड्ढे के आसपास न तो सुरक्षा बैरिकेडिंग की गई है और न ही चेतावनी संबंधी कोई संकेत लगाए गए हैं। ऐसे में किसी भी समय बड़ा सड़क हादसा होने की आशंका बनी हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों के बीच निर्माण कार्य में अनियमितता और गुणवत्ता से समझौता किए जाने की चर्चा है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो यह गड्ढा किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से तत्काल सड़क की मरम्मत कराने, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने तथा सड़क धंसने के कारणों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

थार चालक ने लालपुर थाना के ड्राइवर को कुचलने का किया प्रयास

रांचीः राजधानी के सबसे सुरक्षित और वीआईपी इलाकों में शुमार मोरहाबादी मैदान क्षेत्र में आज एक बेहद खौफनाक वारदात सामने आई है। पार्क प्राइम होटल के समीप पुलिस की रूटीन चेकिंग के दौरान एक तेज रफ्तार महिंद्रा थार गाड़ी के चालक ने लालपुर थाना के ड्राइवर को कुचलने का प्रयास किया है। ड्राइवर का नाम राजेश यादव है। कुचलने के प्रयास में ड्राइवर राजेश यादव को गंभीर चोटें आई है। उनके सिर पर गंभीर चोटें आई हैं, जिसके बाद उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुलाम मुस्तफा ने लोगों से की एसआईआर फॉर्म जल्द भरने की अपील

रांचीः सामाजिक संस्था भारतीय एकता कमेटी, रांची के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने अपना स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) फॉर्म भरकर संबंधित अधिकारियों के पास जमा कर दिया है। इस अवसर पर उन्होंने रांची के उपायुक्त एवं निर्वाचन आयोग से एसआईआर फॉर्म जमा करने की समय-सीमा बढ़ाने की मांग की है।

गुलाम मुस्तफा ने कहा कि अभी भी बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता हैं, जिन्होंने एसआईआर फॉर्म नहीं भरा है। ऐसे में समय बढ़ाया जाना आवश्यक है, ताकि कोई भी पात्र मतदाता इस प्रक्रिया से वंचित न रह जाए। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि फॉर्म भरने

में देर न करें और समय रहते इसे जमा कर दें।उन्होंने लोगों को फॉर्म भरने के दौरान आवश्यक जानकारियां सही-सही दर्ज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में दर्ज नाम के अनुसार ही नाम भरें तथा पता, आधार संख्या, मोबाइल नंबर, एपिक (मतदाता पहचान पत्र) संख्या, विधानसभा क्षेत्र संख्या, भाग संख्या, क्रम संख्या, जन्म तिथि सहित सभी विवरण सावधानीपूर्वक भरें। इसके बाद अपना नवीनतम फोटो लगाकर हस्ताक्षर करें और फॉर्म निर्धारित स्थान पर जमा करें। गुलाम मुस्तफा ने कहा कि फॉर्म जमा करने के बाद प्राप्त होने वाली रिसीविंग की प्रति सुरक्षित रखें, ताकि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके।उन्होंने बीएलओ से भी अपील की कि यदि कोई व्यक्ति फॉर्म गलत भरता है तो उसे तुरंत जांचकर सही तरीके से भरने में सहयोग करें, जिससे किसी भी मतदाता का आवेदन त्रुटिपूर्ण न रहे।

अंत में उन्होंने कहा कि एसआई प्रक्रिया को सभी नागरिक गंभीरता से लें, क्योंकि समय बहुत कम है। उन्होंने दोहराया कि एक भी पात्र व्यक्ति का नाम छूटना नहीं चाहिए।

'अदबी दुनिया' का होगा राष्ट्रीय विस्तार, झारखंड के साहित्यकारों के लिए बनेगा विशेष गोशा

रांचीः राजधानी रांची से पिछले छह वर्षों से प्रकाशित त्रैमासिक उर्दू पत्रिका 'अदबी दुनिया' के राष्ट्रीय विस्तार, वित्तीय मजबूती और भावी योजनाओं को लेकर ऑनलाइन बैठक आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता प्रख्यात साहित्यकार प्रो. असलम जमशेदपुरी ने की, जबकि संचालन संपादक डॉ. मोहम्मद दानिश अयाज ने किया।

मुख्य संपादक डॉ. गालिब नश्तर ने घोषणा की कि जनवरी 2027 से पत्रिका में झारखंड के साहित्यकारों के लिए विशेष गोशा शुरू किया जाएगा। मानद संपादक डॉ. मोहम्मद मुकम्मल हुसैन ने बताया कि पत्रिका को आरएनआई यू आइएसएसएन नंबर प्राप्त हो चुका है तथा इसे यूजीसी केयर सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही, पत्रिका की वेबसाइट भी जल्द शुरू होगी।

बैठक में देशभर के विद्वानों ने पत्रिका के विस्तार, शोधपरक सामग्री और आर्थिक सुदृढ़ीकरण पर सुझाव दिए। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. असलम जमशेदपुरी ने पत्रिका के छह वर्षों के सफल प्रकाशन की सराहना करते हुए मजबूत आर्थिक मॉडल, वार्षिक सदस्यता अभियान और पांच वर्षीय कार्ययोजना पर जोर दिया। अंत में डॉ. गालिब नश्तर ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के निधन पर शोक की लहर, शादाब खान बोले-

झारखंड ने खोया अपना अभिभावक

गुलाम शाहिद

रांचीः झारखंड के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मन्नान मल्लिक का मंगलवार को रांची के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और आम लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। नेताओं ने उनके निधन को झारखंड की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताया।कांग्रेस के युवा नेता शादाब खान ने मन्नान मल्लिक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनसरोकारों से जुड़े, सरल स्वभाव के नेता और सभी के

अभिभावक थे। उन्होंने कहा कि मन्नान मल्लिक का पूरा जीवन जनता की सेवा और संगठन को मजबूत करने के लिए समर्पित रहा। शादाब खान ने अपने शोक संदेश में कहा, हमारे अभिभावक एवं मार्गदर्शक आदरणीय मन्नान मल्लिक साहब के दुखद निधन का समाचार अत्यंत मर्माहत करने वाला है। उनके जाने से धनबाद ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड ने एक अनुभवी जननेता को खो दिया है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि मन्नान मल्लिक का सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, जनता के प्रति समर्पण और राजनीतिक अनुभव हमेशा याद किया जाएगा। उनके निधन से राज्य की राजनीति और कांग्रेस परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है।

पूर्व मंत्री मन्नान मलिक के निधन पर शोक

रांचीः झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री मन्नान मलिक का आज रांची के पल्स हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन की खबर से राज्य में शोक की लहर दौड़ गई मन्नान मलिक पिछले कई दिनों से पल्स हॉस्पिटल में भर्ती थे इनके निधन से मर्माहत हुए ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस के कार्यकारी अध्यक्ष सह वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मंजूर अहमद अंसारी ने कहा कि झारखंड की राजनीति में गहरी पकड़ रखने वाले नेता की कमी सदियों तक महसूस की जाएगी,वहीं मुस्लिम मजलिसे मुशावरत के प्रदेश कन्वेनर खुर्शीद हसन रूमी ने कहा कि स्वर्गीय मन्नान मलिक गरीबों ,मजदूरों के हमदर्द थे ,मरहबा ह्यूमन सोसाइटी के सचिव नेहाल अहमद ने कहा कि पिछले हफ्ते ही मन्नान मलिक के पुत्र हुब्बान मलिक से स्वस्थ संबंधित बात हुई थी आज और उनके मौत की खबर सुनकर मर्माहत हूं,उनके निधन की खबर सुनकर सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के महासचिव अकील उर रहमान,मोहम्मद हलिमउद्दीन,नफीसुल आब्दीन,नसीम अख्तर,इकबाल अंसारी,नैयर सहाबी,शमशाद अनवर,ने गहरा शोक व्यक्त किया।

नगड़ी से एक गाय के साथ उसके बच्चे को चोरों ने किया गायब, सूचना देने वालों को दिया जाएगा 30 हजार इनाम

मेट्रो रेज

रांचीः कांके प्रखंड के ग्राम नगड़ी गाँव से शनिवार शाम 4 बजे मोइन अंसारी का एक गाय के साथ गाय के बच्चे को चोरों ने गायब कर दिया है। नगड़ी निवासी मोइन अंसारी ने बताया कि प्रतिदिन घर के अगल बगल चरने के लिए जाती थी और खुद से दोनों वापस आ भी जाते थे, पर शनिवार को 4 बजे तक मोइन के घर वाले चरते देखे थे, उन्होंने सोंचा की प्रतिदिन की तरह शाम को घर आ ही जाएंगे पर शनिवार को ऐसा नहीं हुआ, उसके बाद से शनिवार, रविवार और सोमवार को नगड़ी और नगड़ी के आसपास के गांवों में काफी खोजबीन के बाद भी कोई पता नहीं चला, जिससे मोइन और उसके परिजनों में चिंता का विषय बना हुआ है, इस दौरान उन्होंने स्थानीय थाना का हवाला देते हुए कहा कि एक दो दिन और पता कर लेते हैं, फिर भी पता नहीं चलेगा तो अपने नजदीकी थाना में एफआईआर करने की बातें कही हैं। साथ ही उन्होंने प्रखंड के आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि अगर किन्हीं को एक गाय और उसके साथ एक उसका बच्चा भटकते हुए या कहीं बंधे हुए दिखे तो नीचे दिए गए सम्पर्क नंबरों पर सूचना दें, सूचना देने वालों को उचित राशि के रूप में उन्हें ईनाम दिया जाएगा।

संपर्क नंबरः- 896916234,7970574615,8294653871

22वें रांची जिला सब-जूनियर वुशु चैम्पियनशिप में 226 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

मेट्रो रेज

रांचीः रांची जिला वुशु संघ द्वारा 22वें रांची जिला सब-जूनियर वुशु चैम्पियनशिप-2026 का सफल आयोजन शहीद बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम स्थित वुशु हॉल, मोरहाबादी, रांची में किया गया। एक दिवसीय इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों, क्लबों, अकादमियों एवं वुशु प्रशिक्षण केन्द्रों से 226 बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन झारखंड सेपक टकरॉ एसोसिएशन के अध्यक्ष उदय साहू ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, समर्पण एवं निरंतर अभ्यास के साथ खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया तथा रांची जिला वुशु संघ द्वारा जमीनी स्तर पर किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

दिनभर आयोजित प्रतियोगिता में सांदा एवं ताऊलू की विभिन्न स्पधाओं में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट तकनीकी कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का संचालन वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नियमों के अनुरूप तकनीकी अधिकारियों की देखरेख में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड युवा आयोग के सदस्य सचिव वेद रतन मोहन थे, जबकि झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष शिवेन्द्र नाथ दुबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए पदक विजेताओं को आगामी राज्य एवं राष्ट्रीय वुशु प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। विजेताओं को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में दीपक गोप, रत्नेश कुमार,कार्तिक राम, विमला टोप्पो, बासुदेव टोप्पो,निशांत

तिर्की, दुल्ला किसपोट्टा,इंद्राशीष राय, सोनी मिंज, डुल्ला किस्पोट्टा, संजना कुमारी, लक्ष्य सोरेन, प्रिया गाड़ी, आकाश उरांव,आस्था उरांव, शशिकांत महतो, एल प्लेटोदीप सिंह, ध्रुव द्विवेदी, अमन कुमार,एवं तनुश्री सहित तकनीकी अधिकारियों, रेफरी, प्रशिक्षकों एवं स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रतियोगिता की मुख्य उपलब्धियां

कुल प्रतिभागी 226

-सांडा एवं ताओलू की कुल 35 स्पर्धाओं का आयोजन

-सभी विजेताओं को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

पदक विजेता

बालक सांदा

21 किग्राः स्वर्ण- प्रसिध कुमार साव, रजत- करण कच्छप, कांस्य-प्रिंस गोप

24 किग्राः स्वर्ण- अंकित कुमार, रजत- कार्तिक उरांव, कांस्य- अंश उरांव एवं आर्य मुंडा।

27 किग्राः स्वर्ण-जयपाल बेदिया, रजत- अर्पण उरांव, कांस्य- आदित्य रजक एवं रुद्र प्रताप

30 किग्राः स्वर्ण- आराय कुमार, रजत-अर्नव आर्य, कांस्य- अर्पण कुजूर एवं आरव कुमार।

33 किग्राः स्वर्ण- जयदीप कुमार, रजत- सोनू उरांव, कांस्य- अरुणिश कुमार एवं शम्श कबीर।

36 किग्राः स्वर्ण- भावेश उरांव, रजत- शिवम उरांव, कांस्य-प्रियांशु कच्छप।

39 किग्राः स्वर्ण- मो। शेर अली, रजत-अर्जुन उरांव, कांस्य- अजय महतो एवं निखिल उरांव।

42 किग्राः स्वर्ण- अपन बेदिया, रजत- शुभम कुमार, कांस्य- अनीकेत कुमार एवं आमिर अली।

45 किग्राः स्वर्ण- साहिल हसन, रजत- सूरज कुमार महतो, कांस्य- समरजीत एवं हर्ष कुमार यादव।

48 किग्राः स्वर्ण- आयुष कुमार, रजत- आशीष उरांव, कांस्य- पार्थ सिंह।

52 किग्राः स्वर्ण- सचिन गोराई, रजत- आरनव गुप्ता, कांस्य- ज्ञानशु उरांव एवं तरुण कुमार।

56 किग्राः स्वर्ण- दिव्यांशु सुमन, रजत- अंश कच्छप, कांस्य- रितेश मुर्मू एवं ऋतिक उरांव।

60 किग्राः स्वर्ण- गौरव साहू, रजत- जयंत उरांव, कांस्य- आर्यन राज।

बालिका सांदा

21 किग्राः स्वर्ण- पुष्पा कुमारी, रजत- नंदिनी उरांव, कांस्य- प्रियम मानसी।

24 किग्राः स्वर्ण- अदिति तिर्की, रजत- आरोही खलखो, कांस्य- सृष्टि उरांव एवं अरुषी लकड़ा।

27 किग्राः स्वर्ण- अंगल तिर्की, रजत-दीवा पांडेय, कांस्य-अंकिता उरांव।

30 किग्राः स्वर्ण- परी राज कुमारी, रजत- गुलाब परी, कांस्य- मानवी कुमारी एवं सुहानी कुमारी।

33 किग्राः स्वर्ण-राहत फलक, रजत-अल्पना उरांव, कांस्य- आद्या अंबष्ठा एवं सृष्टि टोप्पो।

36 किग्राः स्वर्ण- प्रकृति प्रिया, रजत- कृति उरांव, कांस्य- सशिता कुमारी एवं अनुष्का साहू।

39 किग्राः स्वण-उषा कुमारी, रजत-निशी उरांव, कांस्य- बंदना कुमारी एवं शोभा कुमारी।

42 किग्राः स्वर्ण-करिना कुमारी, रजत-लक्ष्मी कुमारी, कांस्य-सोनम उरांव एवं सपना तिर्की।

45 किग्राः स्वर्ण- सुनैना कुमारी, रजत- अनामिका उरांव, कांस्य- आकृति सिंह एवं तेरशा कुजूर।

अनीशा कुमारी, रजत- आरती कुमारी, कांस्य- अनीमा कुमारी एवं अलीना कुजूर।

52 किग्राः स्वर्ण- प्राची कुमारी, रजत- नव्या पारही, कांस्य- उदिता टोप्पो एवं सुमेधा झा।

56 किग्राः स्वर्ण- तेजल बेक्सटर, रजत- शिनू शिवांक्षा।

बालक ताऊलू

चांगक्वान (उ): स्वर्ण- वत्सल, रजत- वेदांश राज, कांस्य- मो। जिशान रजा।

चांगक्वान (इ): स्वर्ण- मयंक सिंह।

नानक्वान (उ): स्वर्ण- तुषार कुमार, रजत- आयुष्मान, कांस्य- राजरंजन।

बालिका ताउलू

चांगक्वान (उ): स्वर्ण- सृष्टि कुमारी, रजत- हेमा कुमारी, कांस्य- कसनी सिंह।

चांगक्वान (इ): स्वर्ण- रिया कुमारी, रजत- आराध्या सिंह, कांस्य- सायेशा सिंह।

नानक्वान (उ): स्वर्ण- अनिका तिवारी, रजत- ललिता कुमारी, कांस्य- सान्वी कुमारी।

नानक्वान (इ): स्वर्ण- काव्या।

ताइजीक्वान (उ): स्वर्ण- पलक सांडिल्य, रजत- नयना कुमारी, कांस्य- प्रिया भारती।

विंग चुन (उ): स्वर्ण- संगीता मंडल, रजत- अमृता परेया।

चाक्वानः स्वर्ण- ऋतिका शर्मा, रजत- खुशी कुजूर।

रांची जिला वुशु संघ ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों, तकनीकी अधिकारियों एवं खेल प्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सभी पदक विजेताओं को आगामी झारखंड राज्य सब-जूनियर वुशु चैम्पियनशिप के लिए शुभकामनाएँ दीं।

रांची जिला सीनियर वुशु प्रतियोगिता दिनांक 19 जुलाई को : रांची जिला सीनियर वुशु प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 19 जुलाई को वुशु हॉल, मोराबादी मे किया जायेगा। इन सभी प्रतियोगिता के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जिला टीम का गठन किया जायेगा।

यह जानकारी रांची जिला वुशु एसोसिएशन के प्रेसिडेंट चंचल भट्टाचार्य ने दी। 22वें रांची जिला सब-जूनियर वुशु चैम्पियनशिप में 226 खिलाड़ियों ने दिख

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–सरस्वती देवी, उम्र–23 वर्ष, उँचाई–5 फिट 4 ईंच, रंग–गौरा पहनावा–नीला रंग का साड़ी पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला सरस्वती देवी, उम्र–23 वर्ष, पति– सागर टोप्पो, पता–बि0 टाईप रेलवे कॉलोनी, हटिया, महराटोली, थाना – जगरनाथपुर, जिला–राँची ये दिनांक–02.07.2026 को घर से काम करने को कहकर निकली जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में जगरनाथपुर थाना सनहा सं0–16/2026, दिनांक–02.07.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, राँची।	–9431706143
थाना प्रभारी, जगरनाथपुर, राँची।	–9431706169
टावेदक सागर टोप्पो।	–8434700924

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

PR.NO.384862 Police(26-27):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 23/2026-27

1	विज्ञापन दाता का नाम	–	कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
2	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	–	21-07-2026 को अप0 12.00 बजे तक।
3	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	–	22-07-2026 के अप0 2.30 बजे तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	–	22-07-2026 के अप0 3.00 बजे से।
5	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	–	(i) अधीक्षण अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं–2, राँची का कार्यालय। (ii) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल सिमडेगा।
6	निविदा प्राप्ति का स्थान	–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
7	कार्य विवरणी :–		

Sl. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Cost	Time Of Completion
1	(i) E/R Aluminium Sliding and Water Tank in B-Type Building Qtr No-5 to 6 of Officer's Colony, Simdega. (ii) E/R Aluminium Sliding in B-Type Building Qtr No-1 to 4 of Officer's Colony, Simdega.	4,97,700.00	10,000.00	750.00	01 (One) Months
2	(i) E/R to Inner Painting Work in DC Residence, Simdega. (ii) E/R to Roof Treatment of DC Residence, Simdega.	4,96,500.00	10,000.00	750.00	01 (One) Months
3	(i) Construction Shed for Common Toilet (Ladies/Gents) in Civil Court, Simdega. (ii) Construction Shed for Common Toilet (Ladies/Gents) in Civil Court, Simdega. (Part-II)	4,97,200.00	10,000.00	750.00	01 (One) Months
4	(i) E/R to Plumbering and Painting Work in Campus of PDJ Residence, Simdega. (ii) E/R to Painting Work of Barrack Building in PDJ Residential Campus, Simdega.	4,97,600.00	10,000.00	750.00	01 (One) Months

निविदा की शर्तें– WWW.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सिमडेगा

PR 384851 Simdega(26-27).D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

अब ट्रंप की हत्या का युद्ध

राष्ट्रपति ट्रंप ने 36 घंटे में पांच बार धमकियां दी हैं कि यदि ईरान ने उनकी हत्या कराने की कोशिश की, तो अमेरिका उसे तबाह कर देगा, मिट्टी मलबा कर देगा। इसके लिए उन्होंने अमेरिकी सेना को आदेश भी दे दिए हैं। पेंटागन एक लंबे साल तक ईरान पर हमले करने और बमबारी करने की तैयारी में जुट गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी खुलासा किया है कि 1000 मिसाइल लॉक और लोडेड कर दी गई हैं। अर्थात उनके निशाने तय कर दिए गए हैं। यदि राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की गई, तो ईरान पर मिसाइलों और ताकतवर बमों की बारिश कर दी जाएगी। ईरान को लगभग नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई ने सार्वजनिक रूप से कसम खाई है कि उनके पिता और ईरान के सुप्रीम लीडर रहे अली खामेनेई और जंग में मारे गए लोगों का इंतकाम जरूर लिया जाएगा। यह ईरानी अवाम की मांग और भावनाएं भी हैं। मुज्तबा ने ट्रंप और नेतनयाहू को दुश्मन करार दिया है। सुप्रीम लीडर के फरमान से साफ है कि दोनों की हत्या की जाए। सुप्रीम लीडर ने, अंततः, यहां तक कहा, हम रहें या न रहें, लेकिन बदला हर हाल में लिया जाएगा। ट्रंप और मुज्तबा के बयान बेहद भयानक और खौफनाक हैं। यदि राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की जाती है अथवा ईरान की साजिश वाली रणनीति कामयाब हो जाती है, तो अमेरिका और ईरान ही नहीं, दुनिया के एक बड़े भूभाग में प्रलय मच जाएगी। विश्लेषकों के आकलन हैं कि ईरान युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था 2.2 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान झेल चुकी है। ऊर्जा, गैस, खाद्य, मशीनरी, उर्वरक की आपूर्ति बाधित है, तो विश्व में ऐसे संकटों का भी तनाव बना रहेगा। अभी तक देशों ने अपने रिजर्व तेल भंडारों का इस्तेमाल किया है और युद्ध समाप्त होने की प्रार्थनाएं कर रहे हैं। यदि देशों के तेल भंडार भी खत्म होने लगेंगे, तो कच्चे तेल की कीमतें कौनसे आसमान तक जाएंगी, उनका अनुमान अभी संभव नहीं है। भारतीय अर्थशास्त्री मान रहे हैं कि यदि युद्ध 3-4 सप्ताह और खिंच गया, तो कच्चा तेल 120-140 डॉलर प्रति बैरल तक उछल सकता है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि भारत को भी आर्थिक-ऊर्जा संबंधी चुनौतियां झेलनी पड़ेंगी। अभी तक गोदाम भरे थे, लिहाजा कोई चिंता नहीं थी, लेकिन गोदाम खाली होने के बाद कुल नुकसान 950 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। यह भारत की कुल जीडीपी से दोगुना से भी अधिक है। दरअसल बुनियादी सवाल यह है कि क्या ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप को मारने का रोडमैप तक तैयार कर लिया है अथवा इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद की रपट के आधार पर ही हत्या की धमकियां दी जा रही हैं? किसी भी देश के राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष की जिंदगी पर मौत के भयावह साए मंडराते ही रहते हैं लेकिन ट्रंप पर राष्ट्राध्यक्ष बनने से पहले और बाद में जानलेवा हमले किए गए हैं। यहां तक खबरें हैं कि ईरान ने अमरीका में ही अपने स्लीपर सेल्स सक्रिय कर दिए हैं। मेक्सिको के ड्रग्स तस्करों से भी बातचीत की खबरें सामने आई हैं, क्योंकि वे भी राष्ट्रपति ट्रंप के धुर विरोधी हैं और उनके गिरोह बेहद ताकतवर और हत्यारे माने जाते हैं। बहरहाल हम ऐसी खबरों की पुष्टि नहीं कर सकते। फिर भी सवाल है कि क्या ऐसी साजिशें भी अमरीकी राष्ट्रपति की हत्या कर सकती हैं? अमरीका ने अब्राहम लिंकन, जेम्स ए गैरीफील्ड, विलियम मैकिनले, जॉन एफ कैनेडी सरीखे चार राष्ट्रपतियों के हत्याकांड देखे और झेले हैं, लिहाजा ट्रंप की सुरक्षा में अतिरिक्त, कड़े, बहु लेयर बंदोबस्त किए जा रहे हैं। व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप ने खुफिया एजेंसियों की आपातकालीन बैठक बुलाई थी। अमेरिका का भी इस युद्ध में 100 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हो चुका है। उसके एमक्यू-9 ड्रोन तबाह हुए हैं। उसके लड़ाकू विमान ध्वस्त किए गए हैं। रक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि यदि अमेरिका को ईरान में जमीनी लड़ाई लड़ने की नौबत देखनी पडी, तो कमोबेश 10 लाख सैनिक चाहिए। और इतने सैनिक अमरीका बलिदान नहीं दे सकता। जमीनी लड़ाई के बिना अमेरिका युद्ध नहीं जीत सकता। यदि ट्रंप की हत्या का बयान भी खोखला नारा साबित हुआ और ट्रंप का कार्यकाल भी समाप्त हो गया, तो एक मलाल शेष रह जाएगा। ईरान का वजूद फिर भी बरकरार रहेगा।

खोखले दावों के बीच शिक्षा की कठिन डगर

शिक्षा का अधिकार महज कागजों में ही सुरक्षित होता नजर आए तो चिंता होना स्वाभाविक है। राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में सरकारी स्कूलों की बदहाली से जुड़ी तस्वीरें इस चिंता को बढ़ाने वाली है। बच्चों को शिक्षा का अधिकार देने की बातें भले ही कही जा रही हो लेकिन उसका स्कूल तक पहुंचने का अधिकार सुनिश्चित नहीं हो पाया है। कहीं बच्चे घुटनों तक पानी और कीचड़ पार कर स्कूल पहुंच रहे हैं, तो कहीं जर्जर भवनों के भय और टिनशेड की मजबूरी के बीच पढ़ाई कर रहे हैं। इन हालात को किसी और ने नहीं, बल्कि स्वयं सरकारी आंकड़ों ने स्वीकार किया है। हर मानसून में ऐसे समाचार सामने आते हैं। छत गिरती है, प्लास्टर टूटता है, बच्चे घायल होते हैं, जांच बैठती है, जिम्मेदारों से जवाब मांगा जाता है और फिर अगली बारिश तक सब कुछ भुला दिया जाता है। सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि गांवों में वर्षों तक अधूरे भवन, टूटी सडकें और जल निकासी का अभाव किसी को विचलित नहीं करता। यह केवल विकास का असंतुलन नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता भी है। शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों, स्मार्ट क्लास या डिजिटल बोर्ड से बेहतर नहीं होती। उसकी पहली शर्त है-सुरक्षित और सम्मानजनक विद्यालय। जिस बच्चे को रोज स्कूल पहुंचने के लिए पानी, कीचड़ और दुर्घटना का डर पार करना पड़े, उससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अपेक्षा करना बेमानी है। ऐसे वातावरण में शिक्षा नहीं, बल्कि संघर्ष का पाठ पढ़ाया जाता है।

पूर्वानुमान में ही विफल तो कैसे होगा समाधान

विद्यालय भवनों का समयबद्ध सुरक्षा ऑडिट, जर्जर इमारतों का तत्काल पुनर्निर्माण, अधूरे निर्माण कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा करना, स्कूलों तक पहुंचने वाले मार्गों और पुलिया की स्थायी व्यवस्था तथा मानसून से पहले जोखिम वाले विद्यालयों की विशेष समीक्षा अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता होनी चाहिए। शिक्षा विभाग, पंचायत राज और लोक निर्माण विभाग के बीच बेहतर समन्वय भी उतना ही जरूरी है। जहां भविष्य स्कूलों में लिखा जाता है उन तक पहुंचने का रास्ता ही खतरे से भरा हो, तो विकास के दावे खोखले साबित होते हैं।

रवि शंकर

पूरी दुनिया आज ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना कर रही है। इसके पीछे मानव गतिविधियां प्रमुख कारण मानी जाती हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी समाधान नहीं मिल पाया है। भारत में भी मौसम का असंतुलन साफ दिखाई दे रहा है। असमय गर्मी, अनियमित बारिश और मानसून की बदलती चाल कृषि पर गंभीर असर डाल रही है, जो देश की खाद्य सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने चेतावनी दी है कि बढ़ते तापमान, सूखा, बाढ़ और मिट्टी की घटती उर्वरता से मध्य पूर्व के कई देशों में कृषि को भारी नुकसान हो सकता है। वहीं, आइपीसीसी की जून 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, यदि 2040 तक वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ता है तो फसलों की पैदावार गंभीर रूप से प्रभावित होगी और 2050 तक 8 करोड़ से अधिक लोगों पर भूख का खतरा मंडरा सकता है। इसलिए इन चेतावनियों को भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की गंभीर चुनौती मानकर समय रहते कदम उठाने होंगे। कृषि की उत्पादकता उपजाऊ मिट्टी, पर्याप्त जल, अनुकूल तापमान, वर्षा, आर्द्रता और कीटों से सुरक्षा पर निर्भर करती है। इनमें से किसी भी कारक में बदलाव होने पर फसलों की पैदावार प्रभावित होती है। बढ़ती आबादी के साथ खाद्यान्न की मांग बढ़ेगी, लेकिन जलवायु परिवर्तन इस चुनौती को और कठिन बना रहा है। इसलिए कृषि नीति को फसल उत्पादकता बढ़ाने और किसानों के लिए सुरक्षा तंत्र विकसित करने पर ध्यान देना होगा। पृथ्वी का तापमान 3.7 से 4.8 डिग्री तक बढ़ सकता है: वैज्ञानिक आंकड़ों के अनुसार इस सदी के अंत तक पृथ्वी का तापमान 3.7 से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इसका सीधा असर खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा। गेहूं, जौ, सरसों और आलू जैसी ठंडे मौसम की फसलें प्रभावित होंगी, जबकि अधिक तापमान के कारण मक्का, धान और ज्वार में दाना बनने की प्रक्रिया कमजोर पड़ सकती है। तापमान वृद्धि से वर्षा में कमी, मिट्टी की नमी घटने, भूमि के अपक्षय और गंभीर सूखे की आशंका भी बढ़ती है। साथ ही, बढ़ता तापमान मिट्टी में प्राकृतिक नाइट्रोजन की उपलब्धता कम कर रहा है, जिससे रासायनिक उर्वरकों का अधिक उपयोग बढ़ रहा है और मिट्टी की उर्वरता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। आज पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का सामना कर रहा है। जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक में भारत शीर्ष 20 देशों में शामिल है। पिछले चार दशकों में देश का औसत तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है, जिससे बाढ़, सूखा और तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाएं बढ़ी हैं। इसका सबसे अधिक असर छोटे और सीमांत किसानों पर पड़ रहा है, जिनकी आय लगातार प्रभावित हो रही है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के अनुरूप कृषि पद्धतियों, फसल सुरक्षा और किसानों को उचित लाभ देने वाली नीतियों को प्राथमिकता देना आवश्यक है, ताकि उनका खेती से मोहभंग न हो। संकट किसी एक देश तक सीमित नहीं: चूंकि यह संकट किसी एक देश तक सीमित नहीं है, इसलिए इससे निपटने के लिए वैश्विक और स्थानीय स्तर पर ठोस कदम उठाना जरूरी है। स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन केवल कृषि ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। विकास की दौड़ में यह नहीं भूलना चाहिए कि दुनिया की बड़ी आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है। यदि प्रकृति के साथ लगातार छेड़छाड़ जारी रही तो कृषि पर दबाव बढ़ेगा और 2030 तक भूख समाप्त करने का लक्ष्य अधूरा रह सकता है। भारत में पिछले 40 वर्षों से वर्षा में गिरावट दर्ज की गई है। बीसवीं सदी की शुरूआत में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो 1990 के दशक में घटकर 119 सेंटीमीटर रह गई। गंगोत्री ग्लेशियर सिकुड़ रहा है, नदियों में जल घट रहा है और पानी की कमी से खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। यह भारत के लिए अधिक गंभीर है, क्योंकि 70 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। जलवायु परिवर्तन आजीविका, जल आपूर्ति, मानव स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा सभी के लिए खतरा बन चुका है। 2050 तक वैश्विक आबादी 9.5 अरब से अधिक होने का अनुमान है, जिसके लिए 70 प्रतिशत अधिक खाद्यान्न उत्पादन की आवश्यकता होगी। इसलिए कृषि और खाद्य प्रणाली को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल, अधिक लचीला और टिकाऊ बनाना होगा। छोटे और सीमांत किसानों की आय की सुरक्षा के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए तत्काल वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर ठोस कदम उठाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

पहाड़ी राज्यों में आसमानी आफत का सच

पहाड़ों को मॉल या कंक्रीट का जंगल बनाने की भूल हमें नहीं करनी चाहिए। विकास ऐसा होना चाहिए जो पहाड़ों की ऊंचाई को बनाए रखे, न कि उन्हें मलबे के ढेर में तब्दील कर दे। प्रकृति कभी अन्याय नहीं करती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है ।

डा. पवन कुमार शर्मा

2026 में एक बार फिर मानसून ने भारत के पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश में नदियों के उफान से पुल बह रहे हैं, उत्तराखंड में चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन से सैकड़ों यात्री फंसे हैं, जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील पहाड़ी ढलानों पर मलबा गिर रहा है और पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में लाखों लोग बाढ़ और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। हर साल मानसून के दौरान पहाड़ों में मचने वाली यह चीख-पुकार अब केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। यह एक गंभीर चेतावनी है कि क्या प्रकृति का मिजाज बदला है या फिर हमारे लालच और संवेदनहीनता ने इन शांत पहाड़ों को टाइम बम में तब्दील कर दिया है? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार इस वर्ष मानसून की तीव्रता में अप्रत्याशित बदलाव देखा गया है। जुलाई के शुरूआती हफ्तों में ही हिमाचल के सोलन और सिरमौर जैसे इलाकों में इतनी भारी बारिश हुई कि स्कूल-कॉलेज बंद करने पड़े। किन्नौर में उफनती नदी ने लोहे के मजबूत पुलों को लील लिया। पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश के 26 से अधिक जिलों में फ्लैश फ्लड और रॉकफॉल ने पूरे जनजीवन को पंगु बना दिया है। वैज्ञानिक और पर्यावरणविद लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि हिमालय दुनिया की सबसे नई और कच्ची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है।

इसकी एक निश्चित वहन क्षमता है। लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने इस संवेदनशीलता को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। पहाड़ की छाती को चीरकर अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचा और फोरलेन सडकें बनाई जा रही हैं। पहाड़ों की सडकों को चौड़ा करने के लिए वर्टिकल कटिंग यानी सीधी कटाई की जा रही है। जब पहाड़ों को ढलान की बजाय सीधा काटा जाता है तो उनकी जड़ों की पकड़ कमजोर हो जाती है। नतीजा, हल्की सी बारिश होते ही पूरी की पूरी पहाड़ी नीचे आ जाती है। दूसरा, पहाड़ी क्षेत्रों में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का अनियंत्रित जाल बिछ रहा है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को मोडकर बनाई जा रही सुरंगों और बांधों ने पहाड़ों को अंदर से खोखला कर दिया है। टनल बनाने के लिए की जाने वाली अनियंत्रित ब्लास्टिंग से टेक्टोनिक रूप से सक्रिय यह क्षेत्र और अधिक अस्थिर हो गया है। पहाड़ी टूरिस्ट डेस्टिनेशंस पर अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और पर्यटन का दबाव है। शिमला, मनाली, नैनीताल और जोशीमठ जैसे शहरों में वहन क्षमता से कई गुणा अधिक बहुमंजिला होटल और इमारतें खड़ी हो गई हैं। पहाड़ों का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप है, जिससे बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसकर पूरी जमीन को ही धंसा रहा है। मानव जाति की संवेदनहीनता केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के कारण जो ग्लोबल वॉर्मिंग हो रही है, उसका सीधा असर मानसून के पैटर्न पर पड़ा है। अब शॉर्ट-ड्यूरेशन इंटेंस रेनफॉल होने लगा है। अब बारिश महीनों में रुक-रुक कर होने के बजाय कुछ ही घंटों में दर्जनों सेंटीमीटर बरस जाती है। गर्म हवाओं के कारण पहाड़ों के ऊपर अचानक घने बादलों का निर्माण होता है जिससे सीमित दायरे में प्रलयंकारी बारिश होती है जिसे क्लाउड बर्स्ट या बादल का फटना कहते हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में जब भूमध्य सागर से आने वाली नम हवाएं यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मानसूनी हवाओं से टकराती हैं तो पहाड़ों पर विनाशकारी स्थिति पैदा होती है। पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित सस्टेनेबल मॉडल और व्यावसायिक मॉडल के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। वादियों के पास अपना रिवर बैड या बाढ़ क्षेत्र होता है जहां वे फैलती हैं। लेकिन नदी तटों पर अवैध माइनिंग, होटल और बस्तियों का अंधाधुंध निर्माण हुआ है जिससे पानी अब सीधे शहरों में घुसता है। पहाड़ों में कटाई ढलान के अनुसार की जानी चाहिए ताकि मिट्टी का कटाव कम हो, लेकिन जगह बचाने के चक्कर में 90 डिग्री वर्टिकली कटान हो रहा है जिससे लैंडस्लाइड की घटनाएं कई गुणा बढ़ गईं। बांज (ओक) और दूसरी स्थानीय प्रजाति के पेड़ जो पानी सोखते हैं और मिट्टी को बांधते हैं, उनकी बजाय व्यावसायिक लाभ के लिए चीड़ (पाइन) जैसे पेड़ों को बढ़ावा दिया गया जो मिट्टी को नहीं बांध पाते। संसद की संसदीय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले वहां के भू-वैज्ञानिक ढांचे और वहन क्षमता का कड़ाई से मूल्यांकन नहीं किया जाना आपदाओं का सबसे बड़ा कारण है। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों (असम, अरुणाचल, मेघालय) में संकट थोड़ा अलग है, लेकिन उतना ही गंभीर है। वहां वनों की अंधाधुंध कटाई और अवैध खनन जैसे रैट-होल कोल माइनिंग ने पहाड़ियों को असुरक्षित बना दिया है। ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों में गाद यानी सिल्ट जमा होने के कारण उनकी पानी रोकने की क्षमता कम हो गई है जिससे हर साल रिकॉर्डतोड़ बाढ़ आ रही है। 2026 की मौजूदा मानसूनी तबाही इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि प्रकृति के प्रति हमारी संवेदनहीनता ने ही इन हालात को जन्म दिया है। प्रकृति हमसे बदला नहीं ले रही, वह केवल हमारे द्वारा पैदा किए गए असंतुलन का परिणाम दिखा रही है। यदि हमें खूबसूरत पहाड़ों और वहां रहने वाले करोड़ों लोगों को बचाना है तो हमें अविलंब कठोर कदम उठाने होंगे।

मुक्ति ही जीवन का सार

श्रीश्री रवि शंकर

चिंतन-मनन

अधिकांश लोग सफलता की खोज में जीवन बिताते हैं। लेकिन एक समय ऐसा आता है जब अनुभव होता है कि मन की सबसे बड़ी खोज सफलता नहीं, बल्कि भीतर की स्वतंत्रता है। क्या आपने कभी सोचा है कि जीवन में सब कुछ होते हुए भी भीतर एक अनकही बेचैनी क्यों बनी रहती है? अच्छी नौकरी, परिवार, सुविधाएं और उपलब्धियां होने के बाद भी मन किसी गहरे संतोष की खोज में लगा रहता है। भारतीय अध्यात्म में इसे एक विशेष सौभाग्य माना गया है क्योंकि मुक्ति की इच्छा तभी जन्म लेती है जब चेतना जागने लगती है। राजा जनक ने देखा स्वप्न- प्राचीन कथा के अनुसार एक दिन मिथिला के राजा जनक अपने राज्य के कार्यों और समाचारों को सुन रहे थे। तभी उन्हें हल्की सी झपकी आ गई और उन्होंने एक विचित्र स्वप्न देखा। स्वप्न में उनके पूरे राज्य में भीषण अकाल पड़ा हुआ था। वे स्वयं भोजन की तलाश में दर-दर भटक रहे थे और लोगों से भिक्षा मांग रहे थे। लंबे भटकाव के बाद किसी ने उन्हें एक रोटी दी। वे जैसे ही उसे खाने वाले थे, तभी एक बाज झपट्टा मारकर वह रोटी ले उड़ा। उसी क्षण उनकी नींद खुल गई और उन्होंने स्वयं को भूखा पाया। आंखें खुलीं तो देखा कि वे राजसभा में बैठे हैं। उनके भीतर एक गहरा प्रश्न उठ खड़ा हुआ, क्या वह स्वप्न वास्तविक था या यह वर्तमान जीवन ही किसी स्वप्न के समान है? सत्य क्या है? इस प्रश्न का उत्तर पाने के लिए उन्होंने अनेक विद्वानों से चर्चा की। अंततः उन्हें सलाह दी गई कि वे महर्षि अष्टावक्र की शरण लें, जिनका शरीर आठ स्थानों से विकृत था, किंतु जिनकी चेतना परम ज्ञान में स्थित थी। अष्टावक्र ने बताया उपाय- महर्षि अष्टावक्र को राजसभा में आमंत्रित किया गया। यह एक अद्भुत संगम था। एक ओर ऐसा राजा जिसने जीवन के समस्त वैभव और उपलब्धियों का अनुभव किया था, किंतु सत्य की खोज में था। दूसरी ओर ऐसा ऋषि, जो अस्तित्व की परम ऊंचाइयों को प्राप्त कर चुका था। राजा जनक का उनके साथ हुआ संवाद ही आगे चलकर अष्टावक्र गीता के रूप में प्रसिद्ध हुआ। राजा जनक ने अष्टावक्र से पूछा, मैं मुक्त कैसे होऊं? उन्होंने राज्य और जिम्मेदारियों से पलायन नहीं किया, बल्कि संसार के बीच रहते हुए अनासक्त रहने की कला जानना चाही।

आपके पत्र

होर्मुज संकट : विश्व आर्थिकी के लिए बढ़ता खतरा

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने एक बार फिर होर्मुज जलडमरूमध्य को वैश्विक चिंता का विषय बना दिया है। यदि यह समुद्री मार्ग लंबे समय तक बाधित रहता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार व्यवस्था प्रभावित होगी। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय संघर्ष अब वैश्विक संकट का रूप ले सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। प्रतिदिन दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। जहाजों की आवाजाही अगर बाधित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आना स्वाभाविक है।

आर पांडेय, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

फोटो नवम्बर:0208 है।
कैप्शनःगांवों के ग्रामीणों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कराई

साहिबगंज : राजमहल मॉडल कॉलेज राजमहल, साहिबगंज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 1 व इकाई 2 द्वारा गोद लिए गए ग्राम सालबनी एवं भोटोटोला में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन भोटोटोला स्थित प्राथमिक विद्यालय में प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह की उपस्थिति में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।स्वास्थ्य शिविर में सालबनी लोगाई, खैरबन्नी सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कराई। चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया तथा आवश्यक निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों में सेवा, आसप में समन्वय त्याग अनुशासन एकता सद्भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है।शिविर को सफल बनाने में एनएसएस स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने चिकित्सा दल को डायरी व पेन भेंट कर सम्मानित किया । उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने राजमहल स्वास्थ्य विभाग का विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि विभाग के सहयोग से इस प्रकार के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर भविष्य में भी आयोजित किए जाते रहेंगे।जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। चिकित्सा दल का नेतृत्व डॉ अभिषेक पाठक ने किया यह कार्यक्रम एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रमजान अली एवं डॉ.अमित कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। शिविर में स्कूल के प्रधानाचार्य ,बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवकों एवं ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट और विवाद करने का आरोप लगाया

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के एलसी रोड में घरेलू विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। घटना के बाद दोनों पक्ष शिकायत लेकर नगर थाना पहुंचे जहां एक-दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई।नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि दोनों पक्षों से प्राप्त आवेदन के आधार पर अलग-अलग कांड दर्ज किए गए हैं।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट और विवाद करने का आरोप लगाया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिरवाबाड़ी पुलिस ने मारपीट के मामले में एक गिरफ्तार

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मदनशाही निवासी सोनू अकबर अंसारी को जिरवाबाड़ी पुलिस ने मारपीट के मामले में एक गिरफ्तार किया है थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि मदन शाही निवासी अली मुद्दीन ने अंसारी सोनू अकबर के विरुद्ध मारपीट का मामला दर्ज करवाया था। यह फरार चल रहा था गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस छापेमारी करते हुए गिरफ्तार किया और पूछताछ के बाद जेल भेज दिया

फांसी के फंदे में लटका मिला युवक

साहिबगंज : मिजाचौकी थाना क्षेत्र के मंडरो दामिन निवासी मुरारी राम के 20 वर्षीय पुत्र करण कुमार ने झांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। मिर्जा चौकी पुलिस को घटना स्थल पहुंचकर मामले की छानबीन करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जहां डॉक्टर केशव कृष्ण ने पोस्टमार्टम किया। परिजनों ने बताया कि कारण कई वर्षों से दारू पी रहा है और उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं थी घर से वह जब मन होता निकल जाता और जब मन होता आता कई बार तो घर भी नहीं आता लेकिन दूसरे दिन आ जाता था। रविवार को घर से जाने के बाद शराब के नशे में देर रात्रि घर आया और अपने कमरे में चला गया सुबह लोग उसे उठाने गए तो देखा कि वह फांसी के फंदे में लटका हुआ हैं। जिसके बाद उसकी जानकारी मिर्जा चौकी पुलिस दी गई। थाना प्रभारी ने बताया कि ड्यूटी केस दर्ज कर लिया गया है मामले की छानबीन की जा रही है शव का पोस्टमार्टम करने के बाद शव को स्वजनों को सौंप दिया गया।

विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण

साहिबगंज : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण एस आईआर 2026 के अंतर्गत साहिबगंज जिले में एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप निरंतर प्रगति पर है।

13 जुलाई, 2026 की संध्या 4:00 बजे तक जिले के कुल 8,72,148 निर्वाचकों में से 8,45,596 97.0% निर्वाचकों के बीच एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण किया जा चुका है। वहीं 2,12,658 24.04% निर्वाचकों के प्रपत्रों का सफलतापूर्वक डिजिटाइजेशन भी पूर्ण कर लिया गया है।विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार प्रगति इस प्रकार है1-विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रएन्यूमरेशन फॉर्म वितरणः 3,51,569 97.02%डिजिटाइजेशनः 90,348 25.0%,2- बोरियो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण 2,76,165 96.1% डिजिटाइजेशन 61,926 21.06%3- बरहेट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण 2,17,872 97.07% क्षडिजिटाइजेशनः 60,381 27.01%, जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में संबंधित ईआरओ व एईआरओ द्वारा एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य की सतत निगरानी की जा रही है। साथ ही सभी बीएलओ एवं संबंधित पदाधिकारियों को अभियान को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण व त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।जिला प्रशासन ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि जिन मतदाताओं ने अभी तक अपना एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं किया है।वे शीघ्र ही संबंधित बीएलओ को अपना प्रपत्र उपलब्ध कराकर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने में सहयोग करे।

ताइक्वांडो में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुम्हारटोली का शानदार प्रदर्शन

हजारीबाग : सरस्वती विद्या मंदिर, हसनपुर , बिहार में आयोजित 37वीं क्षेत्रीय ताइक्वांडो खेलकूद प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हारटोली के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का गौरव बढ़ाया। खिलाड़ियों ने कठिन मुकाबलों में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 9 स्वर्ण, 8 रजत एवं 9 कांस्य पदक सहित कुल 26 पदक अपने नाम किए।प्रतियोगिता में शानदार सफलता प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का आज विद्यालय के वंदना स्थल में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शर्मेंद्र कुमार साहू ने सभी विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है : कलीमुद्दीन

संवाददाता

साहिबगंज : जिला कांग्रेस कमिटी साहिबगंज की ओर से एस आईआर को लेकर एक बैठक सोमवारजिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित की गई।बैठक कीअध्यक्षता जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मो. कलीमुद्दीन ने की।बैठक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह साहिबगंज जिला प्रभारी डॉ.मुन्नम संजय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।उन्होंने जिला एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों तथा बीएलओ 2 साथियों से एस आईआर अभियान के तहत साहिबगंज जिले में चल रही गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।अपने संबोधन में डॉ. मुन्नम संजय ने कहा कि एस आईआर के नाम पर किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं कटना चाहिए।यह सुनिश्चित करना कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी

है।उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर आम जनता की हरसंभव सहायता करने,मतदाता सूची से संबंधित समस्याओं का समाधान कराने व कांग्रेस द्वारा संचालित एस आईआर हेल्प कैंपों को और अधिक प्रभावी एवं तेजी से संचालित करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रत्येक मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहे,इसके लिए संगठन पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करेगा।बैठक में प्रदेश कोआर्डिनेशन कमिटी के सदस्य अनुकूल मिश्रा, बासुकी नाथ यादव, सरफराज आलम,सतीश पासवान, उमेश पांडे, अनिल पांडे,राम श्रृंगार ओझा,मो रिजवान, निजामुद्दीन,नूरजहां थापा,हरि चरण पासवान, राजीव रंजन यादव,तरन्नुम निशा, गणेश मंडल,मो गफ्फार अली,मो सलाहुद्दीन,मो आफताब आलम,मेराज उद्दीन,अजीत कुमार झा, मंगल पासवान, नौशाद आलम,मनीष प्रताप, जनार्दन रविदास, यमुना दास, मृत्युंजय यादव, शब्दूल अंसारी,सादिक अंसारी, शशिधर यादव, दिलीप गुप्ता,उमेश तिवारी,पूजा देवी, अमृतियुंजय यादव,दुर्गा प्रसाद साह, सुनील गुप्ता,शंकर मंडल,मो इकबाल एवं कई बीएलओ 2 उपस्थित थे।

मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के सहायता राशि हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू

1,71,168 लाभुकों को कुल एक सौ अट्ठाईस करोड़ उनतालीस लाख पचपन हजार पांच सौ रुपये का भुगतान

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड सरकार के महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु साहिबगंज जिले के सभी प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्र के अंचलों से प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन के उपरांत पात्र लाभुकों के बैंक खातों में सहायता राशि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

जिले के लगभग 1,71,168 पात्र लाभुकों (जून 2026 के बैंक खातों में अप्रैल 2026 से जून 2026 तक की सम्मान राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से भेजी जा रही है। योजना अंतर्गत प्रत्येक लाभुको को ₹2,500 प्रति माह की दर से तीन माह की कुल ₹7,500 की सम्मान राशि प्रदान की जा रही है। इस क्रम में जिले के लाभुकों के बैंक खातों में कुल एक सौ अट्ठाईस करोड़ उनतालीस लाख पचपन हजार पाँच सौ रुपये मात्र हस्तांतरित की जा रही है। कल तक मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के पात्र लाभुकों के बैंक खातों में राशि क्रेडिट हो जाएगी।मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का उद्देश्य राज्य की पात्र महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। जिला प्रशासन योजना के प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य आदिम जनजाति पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य एचआईवी ,एड्स पेंशन योजना, स्वामी विवेकानंद निशक्त स्वालंबन प्रोत्साहन योजना के पात्र एंव अहत्ताधारी लाभुकों के सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है तथा आगामी दो कार्य दिवस के अंदर सर्वजन पेंशन के लाभुकों के 3 महीने अप्रैल- जून 2026 के पेंशन का भुगतान लाभुकों के खाते में कर दिया जाएगा ।जिला प्रशासन ने सभी लाभुकों से अनुरोध किया है कि वे अपने बैंक खाते की नियमित रूप से जांच करें। यदि राशि प्राप्त होने में किसी प्रकार की समस्या आती है, तो संबंधित प्रखंड कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक सहायता प्राप्त करें।

किसानों को वैज्ञानिक खेती और सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

संवाददाता

साहिबगंज : पतना प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर बिरसा कृषि रथ को रवाना किया गया।कृषि रथ का संचालन धर्मपुर, बड़ा दिघी, कटहलबाड़ी एवं आमडंडा पंचायतों में किया गया।कार्यक्रम के दौरान किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत खेती, गुणवत्तायुक्त बीजों के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, कीट एवं रोग प्रबंधन, जैविक खेती, किसान समृद्धि योजना सोलर पम्प सेट और राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को समय पर बुवाई करनेक्वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने एवं विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।अल नीनो के संभावित प्रभाव को देखते हुए

किसानों को मोटे अनाज श्री अन्न खेती के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया। उन्हें बताया गया कि मोटे अनाज की खेती करने पर प्रोत्साहन राशि के रूप में न्यूनतम 3,000 हाजार रु अधिकतम15,000 हाजार रु तक भुगतान का प्रावधान है।कार्यक्रम के दौरान आत्मनिर्भरता इन पल्सेस योजना के अंतर्गत 100 प्रतिशत अनुदान पर 11 किसानों के बीच मूंग बीज का वितरण भी किया गया।इस अवसर पर प्रखंड तकनीकी प्रबंधक , सहायक तकनीकी प्रबंधक कृषि मित्र एवं बड़ी संख्या में किसानों की सहभागिता रही। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ते हुए कृषि उत्पादन व किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना था।

साहिबगंज के बीच श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय

साहिबगंज : श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दानापुर और साहिबगंज के बीच श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेन श्रावण माह में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध कराएगी।रेलवे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 03236/03235 दानापुर झसाहिबगंजझदानापुर श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन 2 अगस्त से 30 अगस्त 2026 तक प्रत्येक रविवार को किया जाएगा। इस अवधि में ट्रेन कुल पांच फेरे लगाएगी। यह स्पेशल ट्रेन दानापुरझसाहिबगंज इंटरसिटी एक्सप्रेस 13236/13235 के निर्धारित मार्ग, समय-सारिणी और ठहराव के अनुसार संचालित होगी। मालदा मंडल के अंतर्गत दोनों दिशाओं में यह ट्रेन मिजाचौकी, शिवनारायणपुर, पीरपैंती, कहलगांव, एकचारी, घोघा, भागलपुर, अकबरनगर, सुल्तानगंज, बरियारपुर, जमालपुर, धरहरा, अभयपुर और कजरा स्टेशनों पर रुकेगी।

शेरशावादी जाति प्रमाण पत्र के लिए पाकुड़ जिला में भी बनाई जाये समिति

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : शेरशाहवादी समुदाय द्वारा बीते दिनों साहिबगज जिले के बरहरवा प्रखंड मुख्यालय प्रांगण में प्रमाण पत्र निर्गत कराने को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया गया था ,जिसके बाद जिला उपायुक्त के निर्देश और पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के हस्तक्षेप के बाद समिति का गठन किया गया था। इसी मुद्दे को लेकर जाति प्रमाण पत्र निर्गत किये जाने में आ रही समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री शाह पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक आलमगीर आलम ने पाकुड़ उपायुक्त को पत्र लिखकर समिति बनाए जाने की मांग की है ताकि यह समिति गांव में जाए और साहिबगंज की तरह पाकुड़ की इलाके में भी जांच करें पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने बताया कि साहिबगंज जिला में उपायुक्त के निर्देश पर एक समिति बनाई गई है, वहां के समिति के द्वारा

साहिबगंज जिला के बरहरवा ,राजमहल उधवा के विभिन्न पंचायतों में जाकर किया जा रहा हैं. इसी प्रकार साहिबगंज के बाद पाकुड़ में भी काफी संख्या में शेरशाहबाडी समुदाय के लोग रहते हैं. यहां पर भी जाति प्रमाण पत्र निर्गत किए जाने की मांग लंबे समय से की जा रही है. इसलिए यहां पर भी एक समिति बनाकर जांच किया जाये, ताकि दोनों जिला से रिपोर्ट राज्य सरकार को जाएगी तो फिर इस दिशा में आवश्यक पहल शुरू किया जायेगा.आलमगीर आलम ने बताया कि पिछले दिनों बरहरवा प्रखंड में अनिश्चितकालीन धरना हुआ था. वहां पर धरना स्थल पर पदाधिकारियों एवं उनकी मौजूदगी में आंदोलन कारियों को आश्वासन दिया गया था कि एक समिति बनाकर जांच किया जाएगा. इसके बाद समिति बनाकर जांच चल रही है. इसी प्रकार पाकुड़ में समिति बनाकर जांच होगी. इसके लिए उपयुक्त से पत्र लिखकर उन्हें समिति बनाने का आग्रह किया गया है आलमगीर आलम ने बताया कि शेरशाहवादी जाति प्रमाण पत्र पाकुड़ में भी लंबे समय से निर्गत नहीं हो रहा है यहां पर भी काफी संख्या में शेरशाहवादी समुदाय के लोग रहते हैं अगर कमेटी अपनी रिपोर्ट बनाएगी और राज्य सरकार को भेजेगा तो दोनों जिला से रिपोर्ट पहुंचेगी और इसका फायदा यहां के शेरशावादी समुदाय के लोगों को होगा, उसके बाद राज्य सरकार की ओर से आदेश निर्गत करने को लेकर पहल किया जाएगा।

सहायक कार्यक्रम अधिकारी को दी गई विदाई

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के एनआरपी सेंटर स्कूल में श्री परशुराम अखाड़ा की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक परशुराम अखाड़ा प्रमुख राजीव ओझा की अध्यक्षता में की गई जिसमें लोगों ने समाज और धर्म के उत्थान के बारे में चर्चा की कार्यक्रम का संचालन भगवती रंजन पांडे व धन्यवाद ज्ञापन मनोज झा ने किया। बैठक की शुरूआत हाल ही के दिन हुए भोजपुर जिला बिहार निवासी भरत तिवारी की हत्या के प्रति नाराजगी जताते हुए दो मिनट का मौन रख लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। आगे कार्यक्रम में शिक्षा परियोजना में कार्यक्रम सहायक अधिकारी के रूप में तैनात संजय तिवारी जी का तबादला उनके गृह जिला होने पर उन्हें आज अखाड़ा के सदस्यों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई उपस्थित लोगों ने उन्हें अंग वस्त्र से सम्मानित कर उन्हें श्रीमद्भागवत गीता प्रदान की। मौजूद वक्ताओं ने उनके बारे में अपने मुख्य बिंदु से उनके लिए अपने प्यार समर्पित शब्द को रखें उन्हें कुछ भेंट समर्पित की किसी ने अपने गीत के माध्यम से अपना प्रेम दिखाया, पूरा वातावरण उनकी विदाई को लेकर भाव विभिन्न हो चुका था, शब्दों से ज्यादा आंखें नम होकर बोल रही थी। अंत में संजय तिवारी ने कहा कि साहिबगंज में जो प्यार और स्नेह उन्हें मिला है। वह इसे लेकर अपने गृह जिला जाएंगे और इस प्यार और अपनेपन को वह हमेशा अपने दिल में बसाए रहेंगे। मौके पर जंग बहादुर ओझा, अंकित पाण्डेय, सुबोध झा, बच्चन पाठक, मुकेश मिश्रा, रविकांत शर्मा, मनोहर शर्मा, राकेश सिंह, शंभू यादव, अभय कुमार, परिकर जी, अमन एवं दर्जनों लोगों उपस्थित थे।

एसआईआर के नाम पर किसी भी मतदाता का नाम नहीं कटने देंगे : डॉ मुन्नम संजय

संवाददाता

साहिबगंज : जिला कांग्रेस कार्यालय, साहिबगंज में सोमवार को आयोजित एस आईआर संबंधी बैठक के उपरांत झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह साहिबगंज जिला प्रभारी डॉ.मुन्नम संजय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि रक्फ़ की प्रक्रिया के दौरान किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं कटना चाहिए।यदि किसी योग्य मतदाता का नाम हटाया जाता

है या उसे अनावश्यक रूप से परेशान किया जाता है।तो कांग्रेस पार्टी इसका लोकतांत्रिक तरीके से पुरजोर विरोध करेगी।उन्होंने बताया कि जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा पूरे साहिबगंज जिले में एस आईआर हेल्प सेंटर संचालित किए जा रहे हैं,जहां कार्यकर्ता आम नागरिकों को फॉर्म भरने,आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने और मतदाता सूची से संबंधित समस्याओं के समाधान में सहायता कर रहे हैं।उन्होंने सभी कांग्रेस कार्यकताओं से बूथ स्तर तक सक्रिय होकर प्रत्येक मतदाता की मदद करने का आह्वान किया।डॉ.मुन्नम संजय ने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य किसी प्रकार की राजनीति करना नहीं,बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक अपने संवैधानिक मताधिकार से वंचित न हो।उन्होंने आम जनता से अपील की कि यदि रक्फ़ प्रक्रिया से संबंधित किसी प्रकार की कठिनाई हो तो वे निकटतम कांग्रेस एसआईआर हेल्प सेंटर या स्थानीय कांग्रेस कार्यकताओं से संपर्क करें।प्रेस वार्ता मे जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारी,प्रखंड एवं मंडल अध्यक्ष, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी,बीएल ओ व बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोहम शाह ने आलिया भट्ट को बनाया तुम्बाड फ्रेंचाइजी का हिस्सा, कहा- वेलकम टू तुम्बाड 2

नवाजुद्दीन सिद्दीकी के तुम्बाड 2 से जुड़ने की खबर ने पहले ही खूब सुर्खियां बटोरी थीं। अब फिल्म ने एक और बड़ा कास्टिंग ऐलान कर दिया है। आलिया भट्ट आधिकारिक तौर पर इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल का हिस्सा बन गई हैं और वह फिल्म में एक अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। इसके साथ ही हाल के भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सहयोगों में से एक देखने को मिलने वाला है।

तुम्बाड एक ऐसी फिल्म है, जिसने फोकलोर फैंटेसी जॉनर को एक नई पहचान दी। रिलीज के बाद से इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई। अपनी शानदार वर्ल्ड बिल्डिंग, रहस्यमयी कहानी और बेहतरीन विजुअल्स की वजह से इस फिल्म ने सालों में एक अलग ही फैन फॉलोइंग बना ली। इसकी री-रिलीज भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली री-रिलीज बनी, जिसने एक बार फिर साबित कर दिया कि यह देश की सबसे पसंदीदा मॉडर्न क्लासिक फिल्मों में से एक है

अब तुम्बाड 2 इस दुनिया को पहले से भी बड़े स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फिल्म से जुड़ने की पुष्टि पहले ही हो चुकी है और अब आलिया भट्ट के आने से फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। इसके साथ भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में से एक और सबसे अलग व बहुप्रतीक्षित सिनेमाई दुनिया का मिलन होने जा रहा है।

अपनी शानदार एक्टिंग और अलग तरह के किरदार चुनने के लिए पहचानी जाने वाली आलिया का फिल्म से जुड़ना एक बड़ा पल माना जा रहा है। छोटे और इमोशनल किरदारों से लेकर बड़े प्रोजेक्ट्स तक, उन्होंने हर बार खुद को अपनी पीढ़ी की सबसे दमदार अभिनेत्रियों में साबित किया है। अभिनेता और निमार्ता सोहम शाह, जो तुम्बाड फ्रेंचाइजी के पीछे की सबसे बड़ी ताकत हैं, और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ उनका यह सहयोग इस पसंदीदा दुनिया में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ने वाला है।

इन कलाकारों का साथ आना तीन अलग-अलग रचनात्मक सोच को एक साथ लाता है, जहां हर कोई तुम्बाड की दुनिया में अपनी अलग पहचान जोड़ रहा है। सोहम उस दुनिया को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसे उन्होंने खुद बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। नवाजुद्दीन अपनी दमदार मौजूदगी लेकर आ रहे हैं और आलिया फ्रेंचाइजी के सबसे अहम नए किरदारों में से एक निभाने जा रही हैं। ऐसे में तुम्बाड2 एक नया और दिलचस्प अनुभव देने का वादा करती है, साथ ही उस भावना को भी बरकरार रखती है जिसने पहली फिल्म को मॉडर्न क्लासिक बनाया।

आलिया भट्ट ने कहा, तुम्बाड पहली बार देखने के बाद से ही मेरे साथ बनी हुई है। बहुत कम फिल्में ऐसी दुनिया बना पाती हैं, जो इतनी अलग और आपको पूरी तरह अपने अंदर खींच ले। और उससे भी कम फिल्में ऐसी होती हैं, जो रिलीज के सालों बाद भी लोगों के दिलों और दिमाग में बनी रहती हैं। यही बात इस मौके को मेरे लिए बेहद खास बनाती है।

अब उस दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खास है। मैं सोहम और नवाज के साथ काम करने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं लंबे समय से इन दोनों कलाकारों की प्रशंसक रही हूं और ऐसे किरदार को निभाने का इंतजार कर रही हूं, जो तुम्बाड जैसी रहस्यमयी और यादगार कहानी का हिस्सा है। मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि दर्शक वह सब देखें, जो हम मिलकर बना रहे हैं।

सोहम शाह ने कहा, आलिया भट्ट का तुम्बाड 2 से जुड़ना हम सभी के लिए बहुत खुशी की बात है। वह इस पीढ़ी की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं और मुझे पूरा यकीन है कि दर्शकों को इस फिल्म में उनका बिल्कुल नया अंदाज देखने को मिलेगा। हमने उनके डेब्यू से लेकर अब तक उनकी शानदार परफॉर्मेंस देखी है। यह उनके साथ मेरा पहला सहयोग है और मैं उनके साथ काम करने को लेकर सच में उत्साहित हूं।

निमार्ता डॉ. जयंतीलाल गडा ने कहा, आलिया भट्ट हमारी इंडस्ट्री की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं और उनका तुम्बाड 2 से जुड़ना हमारे लिए बेहद खास है। गंगूबाई काठियावाड़ी और आरआरआर की शानदार सफलता के बाद यह आलिया के साथ हमारा तीसरा सहयोग है, जो इसे और भी खास बनाता है। वह इस फिल्म के लिए बिल्कुल सही पसंद हैं और दर्शक उन्हें ऐसे अंदाज में देखेंगे, जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा होगा। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के पीछे हमारी सोच को तुरंत समझ लिया था। उनका साथ फिल्म को एक नई ऊंचाई देगा। तुम्बाड 2 को अभिनेता-निर्माता सोहम शाह अपनी कंपनी सोहम शाह फिल्म्स के बैनर तले पेन स्टूडियोज के साथ मिलकर बना रहे हैं, जिसके प्रमुख निमार्ता डॉ. जयंतीलाल गडा हैं। फिल्म का निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं, जो तुम्बाड की इस बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी को निर्देशित कर रहे हैं। आरआरआर और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों का समर्थन कर चुके पेन स्टूडियोज इस फिल्म को बड़े स्टरर दर्शकों तक पहुंचाने के लिए साथ आया है। तुम्बाड 2,3 दिसंबर 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शारूिख ने 37 करोड़ में खरीदा दिल्ली का वो घर, जहां एक्टर बनने से पहले बिताई थी पत्नी गौरी संग जिंदगी

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान, जिनकी गिनती दुनिया के सबसे अमीर अभिनेताओं में होती है के पास देश कई आलीशान संपत्तियां हैं। अब उन्होंने अपने जन्म और बचपन के शहर दिल्ली में एक प्रॉपर्टी डील की है। यही वह शहर है जहां उन्होंने अपनी शुरूआती जिंदगी बीते, गौरी खान से शादी की और अपने सपनों की उड़ान शुरू की। करोड़ों रुपये की इस नई डील ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है।

दो मंजिल के लिए खर्च किए 37 करोड़ रुपये: खबरों के मुताबिक बॉलीवुड के किंग ने दिल्ली ने उसी घर की बाकि मंजिले भी खरीद ली हैं, जहा वह अभिनेता बनने से पहले गौरी खान के साथ रहा करते थे। यह घर उनके संघर्ष और शुरूआती दिनों की कई यादों का गवाह रहा है। पंचशील पार्क स्थित इस प्रॉपर्टी की दूसरी और तीसरी मंजिल खरीदने के बाद अब पूरे मकान का मालिकाना हक शाहरुख के पास आ गया है। इन दोनों फ्लोर के लिए उन्होंने करीब 37 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

बहुत ही पॉश एरिया में है किंग खान का पुराना घर: आपको बता दें कि शाहरुख खान का ये घर कोई छोटी-मोटी जगह पर नहीं है बल्कि बहुत ही पॉश जगह पर उनका घर बना हुआ है। रिपोर्ट्स के अनुसार उनका यह पुराना घर 1,200 स्क्वायर यार्ड यानी 10,800 स्क्वायर फीट के प्लाट पर बना हुआ है। इस जमीन की कीमत कम से कम 34,260 रुपये प्रति स्क्वायर फीट है

शाहरुख-गौरी के लिए बहुत खास है ये घर : शाहरुख खान अब अपने 250 करोड़ के मन्नत में रहते हैं लेकिन उनके और उनकी पत्नी के लिए यह घर बहुत खास है। ऐसा इस वजह से उन्होंने अपनी आधी जवानी यहां बीते है। अपने करियर के स्ट्रगल भरे दिनों में वो अपनी पत्नी गौरी संग इसी घर में रहते थे। अब बाकि के दो फ्लोर भी खरीद कर उन्होंने अपनी पुरानी यादों को एक बार फिर से जिन्दा कर दिया है।

जुरासिक पार्क के अभिनेता सैम नील का निधन

हॉलीवुड के वरिष्ठ अभिनेता और जुरासिक पार्क तथा दि पियानो जैसी चर्चित फिल्मों में अपनी दमदार अभिनय क्षमता के लिए चर्चित सैम नील का निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। नील का सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में निधन हो गया। उनके आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर जारी बयान में कहा गया कि उनका निधन अचानक और अप्रत्याशित था। बयान के अनुसार, निधन के समय वह कैंसर से पीड़ित नहीं थे। हालांकि, मौत के कारण का खुलासा नहीं किया गया है।

परिवार ने कहा कि सैम अपने परिवार के बीच थे और उन्होंने उसी गरिमा के साथ अंतिम सांस ली, जिसने उनके पूरे जीवन को परिभाषित किया। नील ने वर्ष 2023 में खुलासा किया था कि उन्हें एंजियोइम्यूनोब्लास्टिक टी-सेल लिंफोमा नामक दुर्लभ प्रकार के नॉन-हॉजकिन लिंफोमा का पता चला था। साल 1947 में उत्तरी आयरलैंड में जन्मे श्री नील का मूल नाम निगेल नील था। सात वर्ष की उम्र में उनका परिवार न्यूजीलैंड चला गया। उन्होंने बाद में सैम नाम अपनाया क्योंकि उनके स्कूल में निगेल नाम के कई छात्र थे। उनका परिवार दक्षिण द्वीप के डुनेडिन में बस गया और उनकी पढ़ाई क्राइस्टचर्च के बोर्डिंग स्कूल में हुई। नील ने 1977 में न्यूजीलैंड की फिल्म स्लीपिंग डॉग्स से मुख्य अभिनेता के रूप में पहचान बनाई। यह एक दशक से अधिक समय बाद बनी न्यूजीलैंड की पहली फीचर फिल्म थी। उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान 1979 में गिलियन आर्मस्ट्रांग निर्देशित माय ब्रिलियंट करियर से मिली। इसके बाद उन्होंने डेड काल्म, स्वीट रिवेंज, द पियानो और इवेंट होराइजन जैसी फिल्मों में विविध भूमिकाएं निभायीं।

ब्लैक लहंगा पहन देसी गर्ल बनी जाह्नवी कपूर, लगीं बला की खूबसूरत

अपने फैशन और स्टाइल की वजह से जाह्नवी कपूर इन दिनों काफी सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में उनकी सौतेली बहन अंशुला कपूर की शादी हुई है। इस दौरान जाह्नवी के हर एक लुक को दर्शकों की तरफ से खूब प्यार मिला। अब हल ही में फिर से जाह्नवी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पट कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो बला की खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों में जाह्नवी ने ब्लैक कलर का लहंगा पहना हुआ है। सोशल मीडिया पर उनकी इन तस्वीरों पे फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं।

इन तस्वीरों में जाह्नवी कपूर ने जो लेहंगा पहना है वो डिजाइनर रिंपल और हरप्रीत द्वारा डिजाइन किया गया है। इस लहंगे की कीमत 1.5 लाख रुपये बताई जा रही है। फ्लेयर्ड स्कर्ट को एंटीक गोल्ड टोन की पेजली और फ्लोरल मोटिफ वाली बारीक कढ़ाई से जाह्नवी की इस ऑउटफिट को सजाया गया है। ये इस लहंगे की लुक को और भी ज्यादा रॉयल बना रहा है। जाह्नवी ने अपने इस एथनिक लुक को रंग-बिरंगी कढ़ाई वाली ब्लाउज और हल्के मेटैलिक बॉर्डर से सजे दुप्पटे के साथ स्टाइल किया। अपने ऑउटफिट को और आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने संजनी ज्वेल्स की खूबसूरत ज्वेलरी पहनी। इसके साथ ही उनके डिजाइनर बैग ने उनके लुक को और भी सुन्दर बना दिया। इस लहंगे को पहनकर जाह्नवी कपूर आकांक्षा रंजन की शादी पर बेहद ही खूबसूरत लग रही थीं। इसी के साथ यदि उनका हेयर स्टाइल देखा जाए तो ज्यादा कुछ न करते हुए उन्होंने सिर्फ खुले बाल छोड़े हुए थे। उनके माथे पर लगी हुई छोटी सी लाल बिंदी उनकी खूबसूरती को और भी सुन्दर बना रही थी। यदि उनकी ज्वेलरी को देखें गले में कुछ न पहनते हुए उन्होंने सिर्फ कानों में बड़े-बड़े झुमके पहने हैं।

जाह्नवी कपूर का वर्कफ्रंट: राम चरण और जाह्नवी कपूर की हालिया स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'पेद्दी' ने बॉक्स ऑफिस पर तो अच्छी सफलता हासिल की, लेकिन रिलीज के साथ ही यह विवादों के घेरे में आ गई। सोशल मीडिया पर कई दर्शकों ने इस बात पर कड़ा ऐतराज जताया कि फिल्म में जाह्नवी के किरदार को जरूरत से ज्यादा ग्लैमरस और सेक्सुअलाइज्ड तरीके से पेश किया गया था।

दुनियाभर के 87 देशों के बीच भारत ने रचा इतिहास

इंटरनेशनल फिजिक्स ओलंपियाड में जीता 5 गोल्ड मेडल

नई दिल्ली: दुनियाभर के 87 देशों के बीच भारत ने इतिहास रचा है। कोलंबिया के बुकारामांगा में आयोजित 56वीं इंटरनेशनल फिजिक्स ओलंपियाड 2026 में भारतीय छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम के सभी पांच स्टूडेंट्स ने गोल्ड मेडल जीते और देश ने संयुक्त रूप से वर्ल्ड नंबर-1 रैंक हासिल की। इस प्रतियोगिता में भारत ने चीन, कजाकिस्तान, रूस, दक्षिण कोरिया और ताइवान के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया।

देश के इतिहास में यह दूसरा मौका है, जब फिजिक्स ओलंपियाड के वैश्विक मंच पर हमारी पूरी टीम ने एक साथ गोल्ड मेडल हासिल किया है। इससे पहले 2028 में भारत ने कमाल किया था। भारतीय ओलंपियाड कार्यक्रम का संचालन होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन करता है। यह परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च का एक राष्ट्रीय केंद्र है।

शुभमन गिल और श्री चरणी प्लेयर ऑफ द मंथ की होड़ में

दुबई/एजेंसी: भारत के कप्तान शुभमन गिल, बांग्लादेश के ऑल-राउंडर मोसादेक हुसैन और न्यूजीलैंड के सीमर नाथन स्मिथ को जून के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है, जबकि स्कॉटलैंड की ऑलराउंडर कैथरीन ब्राइस, इंडिया की स्पिनर श्री चरणी और इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट को महिला वर्ग में शॉर्टलिस्ट किया गया है। अफगानिस्तान के खिलाफ होम टेस्ट और वनडे में गिल के लगातार परफॉर्मेंस ने उन्हें कट में जगह बनाने में मदद की, जबकि मोसादेक ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होम वनडे सीरीज जीत में बैट और बॉल से अपने परफॉर्मेंस के लिए और स्मिथ ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीत में अपने कंट्रीब्यूशन के लिए जगह बनाई। बांग्लादेश के खिलाफ होम सीरीज और उसके बाद आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में ब्राइस के लगातार परफॉर्मेंस ने उन्हें शॉर्टलिस्ट होने में मदद की। श्री चरणी और वायट-हॉज वर्ल्ड कप में अपने परफॉर्मेंस के दम पर जगह बनाने में कामयाब रहीं।

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज आज से, मैदान पर लौटेंगे रोहित-विराट, दोपहर बाद 3:30 बजे से मुकाबला

नई दिल्ली/ एजबेस्टन: दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा को इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में न केवल खुद के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा, बल्कि टी-20 में लगातार हार से आहत भारतीय टीम के मनोबल को बढ़ाने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। कोहली, रोहित और बुमराह उस प्रारूप में खेलने के लिए वापसी कर रहे हैं, जिसमें द्विपक्षीय मैचों का महत्त्व और चमक टी-20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के चलते खोती जा रही है, लेकिन 39 वर्षीय रोहित और जल्द 38 वर्ष के होने वाले कोहली में अब भी जोश और जुनून बरकरार है।

वह अब भी वनडे की सर्वश्रेष्ठः खिलाड़ियों में शामिल हैं और उनका लक्ष्य अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक टीम में बने रहना है। उपमहाद्वीप की पिचों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण पिचों पर जोफ्रा आर्चर और जोश टंग जैसे सटीक गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाजों का सामना करना एक अलग ही चुनौती है।

भारत— शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, इशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप, बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड- हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर, टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरन, गस एटकिंसन, आर्चर, जोस टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

न्यूज ब्रीफ

उत्तर-पश्चिम भारत में 19 जुलाई तक सक्रिय रहेगा मानसून

पंचकुलाः भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर-पश्चिम भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय बने रहने का पूवार्नुमान व्यक्त किया है। विभाग के अनुसार हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 19 जुलाई तक रुक-रुक कर बारिश होने का अनुमान है। विभाग ने इस क्षेत्र के कई हिस्सों में आंधी, तेज हवाओं और बिजली गिरने की भी चेतावनी दी है, जबकि हफ्ते के अंतिम हिस्से में हिमालयी राज्यों में भारी बारिश होने का अनुमान है। राष्ट्रीय पूवार्नुमान केंद्र की ओर से मंगलवार को जारी मौसम पूवार्नुमान बुलेटिन के अनुसार हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 14-19 जुलाई के बीच अलग-अलग जगहों पर बारिश हो सकती है।

पूवार्नुमान के अनुसार, पर्वतीय इलाकों में बारिश ज्यादा प्रबल होगी। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में 14-17 जुलाई के बीच अलग-अलग जगहों पर छिटपुट बारिश होने का अनुमान है, जबकि 18-19 जुलाई को यह अधिक इलाकों में फैल जायेगी। उत्तराखंड में भी 14-19 जुलाई के बीच व्यापक बारिश हो सकती है, जबकि 15-19 जुलाई के बीच राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने 18 और 19 जुलाई को हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ़्फराबाद और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश का अनुमान लगाया है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 17-19 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। विभाग ने 14 से 19 जुलाई के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ़्फराबाद में कहीं-कहीं बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (तेज हवा के झोंके 60 किमी/घंटा तक) की रफ़्तार से हवा चलने के साथ आंधी-तूफान की चेतावनी दी है। उत्तराखंड में भी 14-19 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने का अनुमान जताया गया है।

बारिश के अलावा, मौसम विभाग ने आज उत्तर-पश्चिम भारत में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से धूल भरी हवाएं चलने का अनुमान जताया है, जिससे कुछ खुले इलाकों में दृश्यता पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे मौसम की ताजा जानकारी पर नजर रखें और आंधी-तूफान एवं भारी बारिश के दौरान सावधानी बरतें, खासकर उन इलाकों में जो ज्यादा जोखिम वाले हैं।

बिहार में जमीन रजिस्ट्री होगी पूरी तरह डिजिटल, 145 निबंधन कार्यालय चरणबद्ध तरीके से बनेंगे पेपरलेस

पटनाः बिहार में जमीन और संपत्ति की रजिस्ट्री प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और सुविधाजनक बनाने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। नई व्यवस्था के तहत राज्य के सभी 145 निबंधन कार्यालयों को चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस बनाया जाएगा। इससे दस्तावेजों की तैयारी, सत्यापन और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी तथा आम लोगों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। हाजीपुर से हुई डिजिटल व्यवस्था की शुरूआतः बिहार सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत 11 जुलाई को हाजीपुर जिला निबंधन कार्यालय से हुई। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यहां पेपरलेस डिजिटल रजिस्ट्री प्रणाली का उद्घाटन किया। बिहार निबंधन नियमावली-2026 के तहत पहले चरण में 10 निबंधन कार्यालयों को पूरी तरह पेपरलेस बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

18 जुलाई को नौ और कार्यालय होंगे डिजिटलः पहले चरण के तहत 18 जुलाई को नौ और निबंधन कार्यालयों को इस नई डिजिटल व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। इनमें जिला निबंधन कार्यालय जहानाबाद के अलावा पातेपुर (वैशाली), फतुहा और संपतचक (पटना), सोनपुर (सारण), डेहरी-ऑन-सोन (रोहतास), मंझौल (बेगूसराय), बाबूबरही (मधुबनी) तथा सोनवर्षा (सहरसा) के अवर निबंधन कार्यालय शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य इसी महीने पटना और मधुबनी समेत करीब दो दर्जन कार्यालयों को भी डिजिटल प्रणाली से जोड़ने का है। अगस्त से सभी 145 कार्यालय होंगे ऑनलाइनः मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अनुसार, अगस्त से राज्य के सभी 145 निबंधन कार्यालयों को चरणबद्ध तरीके से डिजिटल करने की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। नई व्यवस्था में दस्तावेजों की तैयारी, जांच, सत्यापन और रजिस्ट्रेशन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। खरीददार, विक्रेता और संबंधित अधिकारियों के डिजिटल हस्ताक्षर (ई-साइन) के माध्यम से रजिस्ट्री पूरी की जाएगी।

मंडी गोबिंदगढ़ : गांव तुरां में देर रात हुई सनसनीखेज वारदात

बेअदबी के आरोपी का सिर धड़ से किया अलग, मचा हड़कंप

मंडी गोबिंदगढ़ : मंडी गोबिंदगढ़ के निकटवर्ती गांव तुरां में सोमवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात में छह वर्ष पहले श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के आरोपी की घर में घुसकर हत्या कर दी गई।

मृतक की पहचान मेवा सिंह (45) पुत्र महेंद्र सिंह निवासी गांव तुरां के रूप में हुई है। हमलावर ने धारदार तलवार से कई वार किए, जिससे मेवा सिंह का सिर धड़ से अलग हो गया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और तनाव का माहौल है।

तलवार से किया ताबड़तोड़ हमलाःप्रारंभिक जानकारी के अनुसार वारदात सोमवार रात करीब दो बजे हुई। बताया जा रहा है कि उस समय मेवा सिंह अपने घर में परिवार के साथ मौजूद था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति घर में दाखिल हुआ और उस पर तलवार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर हमले के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

2020 में बेअदबी के आरोप में दर्ज हुआ था केसः जानकारी के अनुसार मेवा सिंह के विरुद्ध वर्ष 2020 के अक्तूबर माह में गांव तुरां स्थित गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने के आरोप में मंडी गोबिंदगढ़ थाना में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

बताया जाता है कि वह दो बार जमानत पर जेल से बाहर भी आया था, जबकि मामले की सुनवाई अभी जारी थी और गवाहों के चलते उसे अंतिम राहत नहीं मिली थी।

सिलाई का काम करता था मेवा सिंहः ग्रामीणों के अनुसार मेवा सिंह पहले गांव में सिलाई (टेलरिंग) का काम करता था। घटना की सूचना मिलते ही थाना मंडी गोबिंदगढ़ के प्रभारी संदीप सिंह, सब-डिवीजन अमलोह के डीएसपी विक्रमजीत सिंह तथा अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं तथा हमलावर की पहचान और हत्या के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जाएगा।

हसीना का सरेंडर नहीं, सीधे जेल होगी, बांग्लादेश में सजा-ए-मौत देने वाले आईसीटी का बड़ा बयान

एजेंसी/ ढाकाः बांग्लादेश इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) के चीफ प्रॉसिक्यूटर अमीनुल इस्लाम ने कहा है कि शेख हसीना को भारत से तुरंत लौटना चाहिए। उन्होंने कहा कि शेख हसीना दिसंबर में आने की बात कह रही हैं, लेकिन हम कहेंगे कि उनको कल ही आना चाहिए। इस्लाम की यह प्रतिक्रिया हसीना के उस बयान पर आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह दिसंबर तक ढाका लौटकर सरेंडर करगी। आईसीटी में हसीना के खिलाफ कई मुकदमे चल रहे हैं। आईसीटी ने ही पिछले साल नवंबर में मानवता के खिलाफ अपराध में दोषी पाते हुए हसीना को उनकी गैर-मौजूदगी में मौत की सजा सुनाई थी।

शेख हसीना के ढाका लौटने से जुड़े एक सवाल पर अमीनुल इस्लाम ने कहा कि आप (शेख हसीना) दिसंबर में आएं या जनवरी में, यह आपका फैसला है। जहां तक हमारी बात है तो हम चाहते हैं कि आप कल ही आ जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि शेख हसीना सरेंडर की बात कह रही हैं, लेकिन वह प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत से वापस आती हैं तो उनको सीधे जेल भेजा जाएगा। उन्हें अदालत के सामने सरेंडर करने का कानूनी मौका नहीं मिलेगा।

पूर्व पीएम को भारत सरकार सौंपेगीः आईसीटी चीफ प्रॉसिक्यूटर अमीनुल इस्लाम ने ढाका में कहा कि शेख हसीना भारत सरकार के नियंत्रण में हैं। ऐसे में वह खुद से वापस नहीं आ सकती हैं। उन्हें प्रत्यर्पण संधि के तहत बांग्लादेश को सौंपा जाएगा या उन्हें वापस भेज दिया जाएगा। उन्होंने हसीना को देश में अस्थिरता पैदा करने के खिलाफ भी चेतावनी दी है।

होर्मुज पर जहाजों से शुल्क लेगा अमेरिका, डोनाल्ड ट्रंप बोले, जल मार्ग पर सुरक्षा के बदले वसूला जाएगा पैसा

एजेंसी/ वाशिंगटनः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान और तेल आपूर्ति को लेकर बड़ा बयान दिया है। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगा और इसके बदले उसे पेमेंट दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका लंबे समय से इस अहम समुद्री मार्ग की सुरक्षा में भूमिका निभाता रहा है, इसलिए उसकी इस जिम्मेदारी की भरपाई भी होनी चाहिए। ट्रंप ने ईरान पर निशाना साधते हुए कहा कि वे बहुत बुरे लोग हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और ईरान के बीच एक समझौता हुआ था, लेकिन ईरान ने उसे तोड़ दिया। ट्रंप ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर पूरी तरह अमेरिका का नियंत्रण है। यह सबके लिए खुला है और उस पर आवाजाही जारी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका इस महत्त्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा करता है, तो इसके लिए उसे उचित भुगतान मिलना चाहिए। उधर, ईरान की शीर्ष संयुक्त सैन्य कमान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन में किसी भी तरह का अमेरिकी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करेगा।

सैन्य कमान ने कहा कि इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर ईरान की अनुमति के बिना अमरीका की किसी भी आवाजाही का कड़ा जवाब दिया जाएगा। ईरान ने क्षेत्र के देशों को भी चेतावनी दी है कि यदि किसी देश ने इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ सहयोग किया, तो उसे ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल माना जाएगा। उधर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर (आईआरजीसी) ने दक्षिणी ईरान पर रविवार रात हुए अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में सोमवार तडके जॉर्डन, बहरीन और कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर कथित हमलों को आधार बनाकर दक्षिणी ईरान में कई स्थानों पर हवाई हमले किए, जिसके जवाब में यह कार्रवाई की गई। इसी बीच, ब्रिटिश सरकार ने ईरान की सबसे ताकतवर सैन्य शाखा ह्यइस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्सह्ल (आईआरजीसी) को आधिकारिक तौर पर एक आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है।

यूपीः एक लाख के इनामी मुस्तफिजुल का एसटीएफ ने किया एनकाउंटर, कई राज्यों में दर्ज गंभीर मुकदमे

गोरखपुर : एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम के साथ सोमवार देर रात हुई मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी मुस्तफिजुल रहमान उर्फ बाबू मारा गया। इस दौरान मुख्य आरक्षी महेंद्र सिंह भी गोली लगने से घायल हो गए। उनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार, सोमवार रात करीब 11 बजे रामनगर करजहा से कुशीनगर लेन के पास एसटीएफ और पुलिस की टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान आजमगढ़ के मेहनगर खुन्दनपुर निवासी मुस्तफिजुल का पुलिस से सामना हो गया।

उसने भागने की कोशिश की तो टीम ने उसका पीछा किया। इस पर उसने फायरिंग शुरू कर दी। इसमें मुख्य आरक्षी महेंद्र सिंह घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मुस्तफिजुल के भी पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।

दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां देर रात मुस्तफिजुल की मौत हो गई। मौके से पुलिस ने 32 बोर की एक पिस्टल, एक बाइक और भारी मात्रा में खोखा और कारतूस बरामद किए।

म्मुस्तफिजुल के खिलाफ कई राज्यों में हत्या, हत्या के प्रयास सहित गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2024 में वह महाराष्ट्र पुलिस की हिरासत से भी फरार होने में कामयाब हो गया था।

मुस्तफिजुल पर कई राज्यों में दर्ज हैं गंभीर मुकदमेंः रामनगर करजहा में सोमवार रात मुठभेड़ में गिरफ्तार आजमगढ़ निवासी मुस्तफिजुल पर कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार मुस्तफिजुल के विरुद्ध सबसे पहला मुकदमा वर्ष 2003 में आजमगढ़ के मेहनगर थाने में चोरी के मामले में दर्ज किया गया था।

इसके बाद वर्ष 2008 में हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ। वर्ष 2011 में वह एक अन्य हत्या के प्रयास के मामले में नामजद हुआ, जिसके बाद से वह फरार था।

वर्ष 2012 में आरोपी के खिलाफ हत्या और आपराधिक साजिश का मुकदमा दर्ज किया गया। इस मामले में बाद में न्यायालय के आदेश पर उसके विरुद्ध सीआरपीसी की धारा 82/83 के तहत उद्घोषणा एवं संपत्ति कुर्की की कार्रवाई भी की गई। वर्ष 2021 में हत्या के एक मामले में इस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया। इसी वर्ष उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 174-ए तथा धारा 506 के तहत अलग-अलग मुकदमे भी दर्ज किए गए।

भारत का कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे चीन-पाक सुदर्शन चक्र प्रोजेक्ट के लिए रूस ने दिया बड़ा ऑफर

नई दिल्लीः भारत के सुदर्शन चक्र प्रोजेक्ट के लिए रूस ने बड़ा ऑफर दिया है। सबसे एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम एस-500 पर बेस्ड टेक्नोलॉजी विकसित करने के लिए मास्को ने दिल्ली संग मिलकर काम करने की बात कही है। यूक्रेन युद्ध में फंसा होने के चलते रूस ने ऑपरेशनल जरूरतों का हवाला देते हुए भारत को एस-500 बेचने को मंजूरी नहीं दी थी। ऐसे में रूस ने अब एस-500 बेचने के बजाए भारत को सुदर्शन चक्र के लिए एस-500 से जुड़ी क्षमताएं संयुक्त रूप से विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। इस प्रस्ताव में सीधे एयर डिफेंस सिस्टम खरीदना शामिल नहीं है, बल्कि भारत के साथ मिलकर एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम बनाना है। रूसी प्रस्ताव में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर जोर दिया गया है। मॉस्को का यह प्रस्ताव संकेत देता है कि भारत का पुराना दोस्त रूस हथियार बेचने से आगे बढकर अब भारत के इंटीग्रेटेड एयर और मिसाइल डिफेंस आर्किटेक्चर में शामिल होने को भी तैयार है। बता दें कि भारत प्रोजेक्ट सुदर्शन चक्र के तहत अपना एयर डिफेंस सिस्टम बना रहा है। रूस ने जो प्रस्ताव दिया है, उसमें एस- 500 से जुड़ी एडवांस टेक्नोलॉजी भारत के मौजूदा और भविष्य के लेयर्ड एयर डिफेंस आर्किटेक्चर में शामिल की जा सकती है। सुदर्शन चक्र रूसी एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम और स्वदेशी प्रोजेक्ट कुशा लांग-रेंज एयर डिफेंस सिस्टम के साथ काम करेगा। सुदर्शन चक्र एक इंटीग्रेटेड, मल्टी-लेयर्ड एयर डिफेंस नेटवर्क होगा, जिसमें लंबी दूरी की सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस एसेट्स, सेंसर, राडार और कमांड-एंड-कंट्रोल नेटवर्क को एक यूनिफाइड आर्किटेक्चर में जोड़ा जाएगा।

क्या-क्या कर सकता है एस-500 : एस-500 से जुड़ी टेक्नोलॉजी मिलने से भारत के पास एयरक्राफ्ट, क्रूज मिसाइल, हाइपरसोनिक जैसे हथियारों को मार गिराने की जबरदस्त क्षमता होगी। बता दें कि एस-500 इंटरमीडिएट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों को भी इंटरसेप्ट करने में सक्षम है। इसके अलावा यह स्टील्थ फाइटर जेट को भी आसमान में कई सौ किलोमीटर की दूरी पर ही मार गिरा सकता है। एस-500 को एस-400 के मुकाबले कई गुना ज्यादा एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम माना जाता है।

उमर अब्दुल्ला को 100 करोड़ का नोटिस, बीजेपी ने विधायकों की खरीद-फरोख्त वाले बयान पर घेरा

एजेंसी/ श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर बीजेपी अध्यक्ष सत पॉल शर्मा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को कानूनी नोटिस भेजा है, जिसमें उन पर झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाने का आरोप लगाया गया है। नोटिस में कहा गया है कि अगर उमर अब्दुल्ला सात दिन में माफी नहीं मांगते और बयान वापस नहीं लेते तो 100 करोड़ रुपए के आपराधिक मानहानि मुकदमे की कार्रवाई की जाएगी। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ, जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 11 जुलाई को श्रीनगर में आयोजित एक कन्वेंशन के दौरान बीजेपी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए थे।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया था कि बीजेपी के एक पदाधिकारी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के कुछ विधायकों को पाला बदलने के लिए 20 से 30 करोड़ रुपए, मंत्री पद और राज्य का दर्जा बहाल करने की रिश्वत का लालच दिया था। उमर अब्दुल्ला ने अपने भाषण में यह भी दावा किया था कि रिश्वत की पेशकश करने वाला बीजेपी का वह वरिष्ठ पदाधिकारी भारत के सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाला एक वकील है।

सीएम ने नोटिस को बताया लव लेटरः वहीं सीएम उमर अब्दुल्ला ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष की ओर से मिले 100 करोड़ की मानहानि के नोटिस को लव लेटर बताते हुए चुटकी ली है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे एक इलेक्ट्रॉनिक कॉपी मिली है। मैं इसे बहुत बड़ा सम्मान मानता हूं क्योंकि जम्मू-कश्मीर का मैं अकेला ऐसा राजनेता हूं, जिसे लव लेटर मिला है। उन्होंने विरोधियों पर हमला करते हुए कहा कि यह बीजेपी के लड? के तरीके को दिखाता है। बीजेपी वाले राजनीतिक लड़ाई लड़ते हैं और अदालतों की आड़ लेते हैं।

नोटिस में कहा गया है कि इस प्रकार के आरोप मानहानि की श्रेणी में आते हैं(इनके आधार पर दीवानी और आपराधिक दोनों प्रकार की कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। बीजेपी ने चेतावनी दी है कि अगर सात दिन के भीतर आरोप वापस लेकर सार्वजनिक माफी नहीं मांगी गई, तो पार्टी मुख्यमंत्री के खिलाफ 100 करोड़ रुपए के मानहानि दावे समेत दूसरे विधिक कार्रवाई शुरू करेगी।

न्यूज IN ब्रीफ

शादी के एक साल बाद विवाहिता की मौत,मायके वालों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

मेदिनीनगर : जिले के सदर थाना क्षेत्र के रजवाडीह गांव में सोमवार रात एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।मृतका की पहचान मिथिलेश साव की पत्नी मनीषा देवी (25) के रूप में हुई है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मनीषा की शादी अप्रैल 2025 में रजवाडीह निवासी मिथलेश साव के साथ हुई थी। दंपती का दो माह का एक बच्चा है। घटना के समय उसका पति रोजगार ने सिलसिले में बाहर था।घर में मौजूद लोगों ने उसकी रात करीब 10 बजे मौत की सूचना परिजनों को दी।

मनीषा का मायका लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के पुरानी पतरा गांव में है। सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग रजवाडीह पहुंचे और ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए।परिजनों का कहना है कि मनीषा की हत्या कर उसके शव को फंदे से लटका दिया गया, ताकि मामला आत्महत्या का प्रतीत हो। उन्होंने मृतका के ससुराल पक्ष को घटना के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जागृत काली मंदिर में हुई विशेष पूजा अर्चना

निधि पाठक : रांची मेन रोड़ स्थित श्री अनमय आश्रम जागृत काली मंदिर में अमावस्या के व पर मंदिर के पुजारी के द्वारा विशेष पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर काफी संख्या में भक्तजन और श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की और भक्तजनों और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। यूँ तो हर दिन माँ काली के मंदिर में भक्तजन और श्रद्धालु आते हैं किंतु अमावस्या के दिन पूजा अर्चना करने के लिए काफी संख्या में भक्तजनों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

डेंगू की जांच के लिए लिया गया सैंपल

जमशेदपुर : एमजीएम जीएनएम की छात्रा को बुखार और रैपिड किट में डेंगू पॉजिटिव आने के बाद उसके खून का सैंपल एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेजा गया। वहां उसका एलाइजा टेस्ट किया जाएगा। उसके बाद ही उसपर विभाग अपना कुछ विचार देगा।जानकारी हो कि स्वास्थ्य विभाग एलाइजा टेस्ट के बाद ही किसी को डेंगू मानता है। फिलहाल नर्सिंग स्कूल में और कोई इससे पीड़ित नहीं है। स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने कहा कि स्कूल की अन्य छात्राओं को बुखार नहीं है लेकिन इसपर नजर रखी जा रही है।

फरार आरोपी राघवेंद्र ने बिष्टुपुर थाने में किया आत्मसमर्पण

जमशेदपुर : डीडी बार एंड कैफे के बाहर हुए चर्चित हिमांशु सिंह हत्याकांड में फरार आरोपी राघवेंद्र ने मंगलवार को बिष्टुपुर थाना पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एसआईटी हत्या की साजिश, वारदात में उसकी भूमिका और अन्य आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के दबाव और लगातार छापेमारी के बीच आरोपी ने आत्मसमर्पण किया। गौरतलब है कि 27 जून की रात हिमांशु सिंह की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी, जबकि उनके साथी प्रत्युष आनंद गंभीर रूप से घायल हुए थे। मामले में अब तक कई आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और हत्या में प्रयुक्त हथियार समेत महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए हैं। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के संकलन के बाद जल्द ही न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा। पुलिस का दावा है कि हत्याकांड से जुड़े सभी दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

विस्थापितों के लिए लड़ेगी लोकहित अधिकार पार्टी : साहू

जमशेदपुर : भुइयांडीह पार्क में विस्थापन संघर्ष समिति की अध्यक्षता में विस्थापितों के हक, अधिकार और न्याय को लेकर बैठक हुई। इसमें दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हरिनाथ साहू ने कहा कि विस्थापितों को उनका वाजिब हक दिलाने के लिए पार्टी सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। बैठक में चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने के साथ संगठन को मजबूत करने और सदस्यता अभियान चलाने पर चर्चा हुई। इस अवसर पर इंदू भूषण यादव, शीला देवी, कृष्ण प्रसाद गुप्ता, उदय कुमार सारंगी, हरिहर प्रसाद, विनय कुमार गुप्ता, सत्येंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

12 दुकानों के ताले तोड़कर चोरी

मानगो : डिमना रोड बाजार में चोरों ने करीब 10 से 12 दुकानों को निशाना बनाया। बदमाश पूरी रात बाजार की गलियों में घूमते रहे और एक-एक कर दुकानों के ताले तोड़ते हुए नकदी व कीमती सामान समेटकर फरार हो गए। रविवार सुबह जब दुकानदार अपनी दुकानें खोलने पहुंचे तो टूटे ताले, बिखरा सामान और खाली गल्ले देखकर उनके होश उड़ गए। देखते ही देखते बाजार में व्यापारियों की भीड़ जुट गई और आक्रोश फैल गया। जिन दुकानों में चोरी हुई, उनमें श्याम जनरल स्टोर, विष्णु भंडार, मां वैभव वैष्णो मेडिकल, मनोज केजरीवाल हार्डवेयर, रामाज्ञा आटा चक्की, राधा कृष्ण ट्रेलर और शुभम स्टोर समेत कई अन्य प्रतिष्ठान शामिल हैं। दुकानदारों के अनुसार, चोर किसी जल्दबाजी में नहीं थे। उन्होंने एक दुकान का ताला तोड़ा, चोरी की और फिर दूसरी दुकान की ओर बढ़ गए। कई दुकानों के गल्ले से नकदी निकाल ली गई, जबकि कुछ स्थानों से अन्य सामान भी गायब है। कई दुकानों के ताले तोड़ने का प्रयास भी किया गया। घटना ऐसे समय हुई, जब रात में न तो बारिश थी और न ही मौसम खराब था। इसके बावजूद बदमाश लंबे समय तक बाजार में सक्रिय रहे, जिससे पुलिस की रात्रि गश्त पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। व्यापारियों का कहना है कि यदि गश्त दल नियमित रूप से बाजार का भ्रमण करता तो चोर इतनी देर तक वारदात को अंजाम नहीं दे पाते। सूचना मिलने पर मानगो थाना पुलिस पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है तथा चोरी में शामिल बदमाशों की पहचान का प्रयास कर रही है।

विद्यालयों में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें : राज महेश्वरम

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

बिनय मिश्रा

लोहरदगा : उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम की अध्यक्षता में आज शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मध्याह्न भोजन योजना, विद्यार्थियों की उपस्थिति, स्वास्थ्य जांच एवं विशेष नामांकन अभियान सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई।

मध्याह्न भोजन योजना की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि कई विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं मध्याह्न भोजन ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में अंतर है। इस पर उप विकास आयुक्त ने प्रत्येक प्रखंड से ऐसे दो-दो मामलों को अगली बैठक में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, ताकि अंतर के कारणों की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बैठक में अनामृता फाउंडेशन द्वारा इंटीग्रेटेड किचेन के माध्यम से विद्यालयों में उपलब्ध कराए जा रहे मध्याह्न भोजन की समीक्षा भी की गई। उप विकास आयुक्त ने खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को नियमित रूप से भोजन की गुणवत्ता की जांच करने तथा निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने विद्यालयों में बच्चों की नियमित एवं शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि जिन विद्यालयों में बीते माह की तुलना में गत माह की उपस्थिति के आंकड़ों में असामान्य अंतर पाया गया है, उन्हें कारण बताओ नोटिस (शो-कॉज) जारी किया जाए।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही स्वास्थ्य जांच के दौरान हीमोग्लोबिन जांच एवं ब्लड ग्रुप की पहचान को भी अनिवार्य रूप से शामिल करने को कहा गया।

इस अवसर पर तिथि भोजन एवं एसएमएस आधारित मध्याह्न भोजन मॉनिटरिंग व्यवस्था की भी समीक्षा की गई तथा इसे और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई।

7 जुलाई से 7 सितंबर तक चलेगा विशेष नामांकन अभियान

बैठक में 7 जुलाई से 7 सितंबर 2026 तक संचालित होने वाले विशेष नामांकन अभियान (स्त्रीूं' एल्ल१ङ्ग'ेल्ल३, ळ४ूेल्लॅ ल्ला एल्लीेल्ल३ ङ्का ड४३ ङ्का रूँङ्कङ्ग' ░'िल्ल) पर विस्तृत चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त ने जिला शिक्षा अधीक्षक को अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने एवं आवश्यक प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि विद्यालय से बाहर रह रहे बच्चों की पहचान एवं उन्हें पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए खनन विभाग, बाल संरक्षण इकाई, पुलिस विभाग, समाज कल्याण विभाग, श्रम विभाग तथा पंचायत प्रतिनिधियों, विशेषकर मुखियाओं का सहयोग लिया जाए।

बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक अभिजीत कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी जया सांखी मुर्मू, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईओ) सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मन्नान मल्लिक के निधन से मैंने एक बड़ा भाई खो दिया : हृदयानंद मिश्र

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के निधन पर हृदयानंद मिश्र एडवोकेट एवं सदस्य कोऑर्डिनेशन कमिटी झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि

झारखंड के वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व मंत्री एवं मेरे चार दशकों से अधिक समय से आत्मीय बड़े भाई समान रहे श्री मन्नान मल्लिक के निधन का समाचार मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक और व्यक्तिगत क्षति का विषय है। उनके निधन से मैंने केवल एक राजनीतिक सहयोगी नहीं, बल्कि अपना बड़ा भाई, मार्गदर्शक और स्नेहिल अभिभावक खो दिया है।

श्री मन्नान मल्लिक का सार्वजनिक जीवन संघर्ष, सादगी, संगठनात्मक क्षमता और जनसेवा के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण था। उन्होंने धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी तथा झारखंड सरकार में पशुपालन मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का अत्यंत निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन किया। कांग्रेस संगठन को मजबूत करने तथा आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

मेरा उनके साथ लगभग चार दशकों का आत्मीय संबंध रहा। हर सुख-दुख में उन्होंने बड़े भाई की तरह मेरा मार्गदर्शन किया। उनका स्नेह, अपनापन, सहज व्यवहार और कार्यकताओं के प्रति सम्मान का भाव उन्हें विशिष्ट बनाता था। उनके व्यक्तित्व में विनम्रता, स्पष्टवादिता और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय था। आज उनका जाना मेरे लिए ऐसी व्यक्तिगत रिक्तता छोड़ गया है जिसकी भरपाई कभी संभव नहीं हो सकेगी।

झारखंड की राजनीति ने आज एक अनुभवी, स्वच्छ छवि वाले जननेता को खो दिया है। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सेवा, समर्पण और नैतिक राजनीति का प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार, समर्थकों और असंख्य शुभचिंतकों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

यात्रियों का एक जत्था हेमकुंड साहिब के दर्शन के लिए रवाना

संवाददाता

टाटानगर से लगभग एक सौ चालीस तीर्थयात्री तथा चाईबासा से ग्यारह एवं राँची से भी इसमें शामिल होकर कुल एक सौ साठ तीर्थयात्री आज जालियांना वाला बाग एक्सप्रेस ट्रेन से रुड़की तक तथा वहां से बसों द्वारा ऋषिकेश पहूँचेंगे। वहाँ से हेमकुंड साहिब के लिए यात्रा आरंभ होगी।

गुरूद्वारा नानक दरबार में इस धार्मिक तीर्थ की सकुशल यात्रा एवं सुखद वापसी के लिए गुरुद्वारा के ग्रंथी हरभजन सिंह जी द्वारा वाहेगुरु जी के आगे अरदास की गई तथा प्रसाद वरताया गया।

यह तीर्थ यात्रा गगनदीप सिंह वालिया की अगुवाई में चाईबासा से टाटानगर एवं वहाँ से जत्थे के साथ हेमकुंड साहिब के लिए रात्रि में ट्रेन से रवाना होगी।

श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष गुरमुख सिंह खोखर ने इस तीर्थ यात्रा के लिए एवं सकुशल वापसी के लिए सभी को शुभ कामनाएं दीं। गुरमुख सिंह खोखर ने अपने संबोधन में कहा सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने जहां तप किया था वह जगह हेमकुंड साहिब है। यह एक एतिहासिक एवं धार्मिक तीर्थ स्थान है तथा वहां भव्य गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब स्थापित हैं ' यह जत्था दो सप्ताह में और भी कई धार्मिक गुरुद्वारों के दर्शन करके गुरू घर की खुशियाँ हासिल करेगा।

यह तीर्थ यात्रा दो सप्ताह की है। यह यात्रा तेरह जुलाई को आरंभ हुई है तथा 26 जुलाई को चाईबासा वापसी के बाद समाप्त होगी।

डीसी की पहल से अनाथ बच्चों में जगी उम्मीद की किरण

जीतेन्द्र कुमार सिंह

मेदिनीनगर : पलामू जिला प्रशासन ने एक बार फिर संवेदनशीलता की मिसाल पेश की है। हुसैनाबाद प्रखंड की लोटनियां पंचायत अंतर्गत बरडीहा गांव के चार अनाथ बच्चों की मदद के लिए पलामू उपायुक्त ने खुद आगे आकर हरसंभव सहायता का भरोसा दिया है।

दरअसल, समाजसेवी सतीश शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर इन बच्चों की दयनीय स्थिति को साझा किया था। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पलामू उपायुक्त दिलीप सिंह शेखावत सहित अन्य अधिकारियों को टैग कर सरकारी सहायता का आग्रह किया था। सोमवार को इस पोस्ट पर संज्ञान लेते हुए पलामू उपायुक्त ने बच्चों की मदद के लिए त्वरित निर्देश जारी किए।

कोरोना ने छीना पिता का साया, अब मां भी छोड़ गईं दुनिया

मिली जानकारी के अनुसार, बरडीहा गांव निवासी चांदनी कुमारी (17), नंदनी कुमारी (15), शिवानी कुमारी (7) और शिवम कुमार (5) के पिता श्रीवास्तव राम की मृत्यु कोरोना काल के दौरान हो गई थी। पिता के निधन के बाद मां कौशल्या देवी किसी तरह मजदूरी और संघर्ष कर चारों बच्चों का पालन-पोषण कर रही थीं। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था बीते 26 जून 2026 को मां का भी आकस्मिक निधन हो गया। इसके बाद ये चारों मासूम पूरी तरह से अनाथ हो गए। वर्तमान में सभी बच्चे हुसैनाबाद प्रखंड के खरारपर गांव में अपने मौसा के घर शरण लिए हुए हैं।

राशन कार्ड और सरकारी योजनाओं से वंचित हैं मासूम

स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस अत्यंत गरीब परिवार के पास राशन कार्ड तो है, लेकिन उसमें केवल माता-पिता और बड़ी बेटी का ही नाम दर्ज था। माता-पिता के निधन के बाद नियमानुसार उनका नाम हट जाएगा, जिससे बच्चों के सामने राशन का संकट खड़ा हो सकता है। शेष तीन बच्चों का नाम अब तक राशन कार्ड में नहीं जुड़ पाया है। इसके अलावा, इन अनाथ बच्चों को अब तक किसी अन्य महत्वपूर्ण सरकारी कल्याणकारी योजना का लाभ भी नहीं मिल सका है।

उपायुक्त बोले- 'बच्चों, आप अकेले नहीं हैं, प्रशासन आपके साथ है'

मामले की गंभीरता को देखते हुए समाजसेवी सतीश शर्मा ने बरडीहा गांव पहुंचकर बच्चों की सुध ली और उनकी स्थिति को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इस पर पलामू उपायुक्त दिलीप सिंह शेखावत ने बेहद संवेदनशील जवाब देते हुए लिखा कि ₹बच्चों, आप अकेले नहीं हैं। जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ आपके साथ खड़ा है। हमारे पदाधिकारी शीघ्र ही आपसे मिलेंगे। आपकी आवश्यकताओं के अनुसार सरकार की सभी पात्र योजनाओं एवं जरूरी सहायता का लाभ जल्द सुनिश्चित किया जाएगा।

उपायुक्त के इस त्वरित और मानवीय रुख के बाद समाजसेवी सतीश शर्मा ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि प्रशासन की इस पहल से चारों अनाथ भाई-बहनों को जल्द ही राशन, शिक्षा और सरकारी पेंशन जैसी आवश्यक योजनाओं का लाभ मिल सकेगा, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित हो सके।

पुराने विवाद में बुजुर्ग को मारी गोली, एमएमसीएच में भर्ती

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : छतरपुर थाना क्षेत्र के हुटुकदाग गांव में मंगलवार सुबह करीब 9 बजे अज्ञात अपराधियों ने 65 वर्षीय बुजुर्ग विश्वम्भर लोहरा को गोली मार दी। गोली उनके पेट में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल इलाज के लिए एमएमसीएच लाया गया।जहां गंभीर हालत में उनका उपचार चल रहा है। घायल के परिजनों के अनुसार उन्हें मथुरा लोहरा नामक व्यक्ति ने गोली मारी है।मामले में पुराने विवाद में गोली मारने की घटना को अंजाम दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर छतरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

विश्व कौशल दिवस पर हजारीबाग में शिल्पोत्सव का आयोजन

एक मंच पर आए 100 से अधिक कलाकार

संवाददाता

हजारीबाग : विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर हजारीबाग में तीन दिवसीय शिल्पोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कलाकारों को बेहतर प्लेटफॉर्म देना और उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाना है। विश्व कौशल दिवस 15 जुलाई को है। इस आयोजन में 100 से अधिक कलाकारों को एक मंच पर लाने की कोशिश की गई है, जहां कलाकारों ने अपनी कला को आम लोगों के बीच रखा। कार्यक्रम में बताया गया कि हजारीबाग में कलाकारों की कमी नहीं है, सिर्फ एक अच्छा प्लेटफॉर्म चाहिए।

इस आयोजन में एक दर्जन से अधिक स्टॉल लगाए गए। खासकर हजारीबाग के लोकप्रिय हजारों साल पुरानी सोहराय कला की झलक देखने को मिली, जहां कलाकार दर्शकों के सामने अपनी कला को उकेरते हुए देखे गए। सोहराय, जो पहले मिट्टी की दीवारों की शोभा होती थी, उस कला को इस उत्सव में कपड़े पर भी देखा गया।

लोगों ने कहा कि जिला प्रशासन का यह एक बेहतर प्रयास है, जिसके जरिए कलाकारों को प्रोत्साहित किया जा रहा है और उन्हें मंच देने की कोशिश की जा रही है। शिल्पोत्सव में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि हजारीबाग कलाकारों की धरती है। इसकी झलक कार्यक्रम में देखने को मिल रही है, जहां कलाकार अपनी कला को प्रदर्शित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के जरिए कलाकारों को एक बेहतर मंच देने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसा कार्यक्रम निश्चित समय अंतराल में होना चाहिए। साथ ही शहर में इन्हें एक बेहतर स्थान भी देना चाहिए ताकि सालों भर कलाकारों के उत्पाद बिक सकें। कलाकारों ने कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन के प्रयास का स्वागत किया है। कलाकारों का कहना है कि यह एक बेहतर प्रयास है। भारत तब आत्मनिर्भर होगा जब कौशल को सम्मान मिलेगा।